प्राची

शिक्षक-दर्शिका

भाषा सेतु

पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका

6

हिंदी भाषा सेतु (पाठ्यपुस्तक एवं स्व-परीक्षण हेतु प्रश्नपत्र) में सम्मिलित प्रश्नों के उत्तर एक-से-अधिक भी हो सकते हैं। प्रस्तुत पुस्तिका में हमने सर्वाधिक संभावित उत्तरों को सम्मिलित/समाविष्ट किया है।

प्राची [इंडिया] प्रा० लिमिटेड
स्मार्ट बुक्स फॉर स्मार्ट लर्निंग

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

इस पुस्तक के किसी भी भाग का, किसी भी रूप में मुद्रण, प्रकाशन, संग्रहण अथवा प्रसारण प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना करना वर्जित है।

मूल्य : ₹ 100-00

प्राची [इंडिया] प्रा० लिमिटेड

स्मार्ट बुक्स फॉर स्मार्ट लर्निंग

309, एलाइड हाउस, इंद्रलोक, दिल्ली-110035
फोन : 011-47320666 (8 लाइन)
फैक्स : 011-43852438, 47320680

Web : www.prachiindia.com
e-mail : info@prachiindia.com

मुद्रक :

विषय-सूची

अध्याय-1 3
अध्याय-2 5
अध्याय-3 8
अध्याय-4 12
अध्याय-5 14
अध्याय-6 17
अध्याय-7 22
अध्याय-8 24
अध्याय-9 28
अध्याय-10 32
अध्याय-11 34
अध्याय-12 36
अध्याय-13 39
अध्याय-14 43
अध्याय-15 47
अध्याय-16 49
अध्याय-17 53
अध्याय-18 55
अध्याय-19 59

1. प्रार्थना

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (घ) **3.** (क) **4.** (क) **5.** (ग) **6.** (ग) **7.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'प्रार्थना' कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर—'प्रार्थना' कविता के रचयिता सुमित्रानंदन पंत हैं।

प्रश्न 2. 'प्रार्थना' कविता के आधार पर बताइए कवि किसका प्रेमी बनना चाहता है?

उत्तर—कवि सौंदर्य और सत्य का प्रेमी बनना चाहता है।

प्रश्न 3. 'प्रार्थना' कविता के आधार पर बताइए कवि कैसा प्रकाश बनने की कामना करता है?

उत्तर—कवि ऐसा प्रकाश बनना चाहता है जिससे उसे शक्ति मिले तथा भय, संशय और अंधभक्ति मिट जाए।

प्रश्न 4. 'प्रार्थना' कविता में कवि नए जीवन का सवेरा किस प्रकार ला सकेगा?

उत्तर—प्रभु से अमरता का वरदान पाकर कवि नए जीवन का सवेरा ला सकेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) *जग-जीवन में जो चिर महान,*
सौंदर्य-पूर्ण और सत्य-प्राण,
मैं उसका प्रेमी बनूँ नाथ,
जो हो मानव के हित समान।

प्रसंग—प्रस्तुत पंक्तियाँ सुमित्रानंदन द्वारा रचित कविता 'प्रार्थना' से अवतरित हैं।

व्याख्या—कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हे प्रभु संसार में जो सुंदरता और सत्यता स्थायी है उसी में मेरी प्रीति हो। मैं उसी का प्रेमी बनना चाहता हूँ जो मानव की भलाई का पर्याय हो।

(ख) *पाकर प्रभु, तुमसे अमर दान,*
करके मानव का परित्राण,
ला सकूँ विश्व में एक बार,
फिर से नवजीवन का विहान।

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ सुमित्रानंदन द्वारा रचित कविता 'प्रार्थना' से अवतरित हैं।

व्याख्या— कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि हे प्रभु आप से अमरता का वरदान पाकर मैं संसार में एक नए जीवन का सवेरा लाऊँ अर्थात् संसार का पुर्ननिर्माण करूँ। ऐसा संसार जिसमें मानव की भलाई का ही पर्याय हो।

2. निम्नलिखित शब्दों का आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) चिर महान— जो सदा अमर रहे अर्थात जिसकी कभी मृत्यु या विनाश न हो।

(ख) अंधभक्ति— इसका आशय है किसी की अंधविश्वासपूर्ण भक्ति करना।

(ग) नवजीवन का विहान— नए जीवन की शुरुआत करना अर्थात् संसार का नवनिर्माण करना।

3. 'प्रार्थना' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

सार— कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि संसार में जो सुंदरता और सत्य चिरस्थायी है उसी से मैं प्रेम करूँ। वह मानव कल्याण की ही कामना करता है। कवि ऐसा प्रकाश बनना चाहता है जिससे उसे शक्ति मिले तथा डर, संशय और अंधभक्ति मिट जाए। वह अमरता का वरदान चाहता है जिससे संसार में नया सवेरा ला सके। कवि ऐसे समाज की कामना करता है जिसमें मानव का हित सर्वोपरि हो।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए :

सत्य	—	सत्यता	**मानव**	—	मानवता
अमर	—	अमरता	**महान**	—	महानता
नश्वर	—	नश्वरता	**संसार**	—	संसारिक

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

नवजीवन— वर्षा की बूदें पड़ते ही रेगिस्तान में नवजीवन का संचार हो गया।

परित्राण— हमें वन्य जीवों के परित्राण हेतु मिलजुल कर कार्य करना चाहिए।

अंधभक्ति— एक शिक्षित व्यक्ति कभी भी किसी की अंधभक्ति की वकालत नहीं करेगा।

सौंदर्य— कश्मीर प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण है।

संशय— हमें दूसरों के प्रति मन में किसी प्रकार का संशय नहीं रखना चाहिए।

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

प्रकाश	—	अंधकार	**सत्य**	—	असत्य
हित	—	अहित	**भय**	—	निर्भय
आसक्ति	—	विरक्ति	**नश्वर**	—	अनश्वर

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. धन की खोज

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (घ) 3. (ख) 4. (ग) 5. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गुरुकुल किस प्रकार का था ?

उत्तर— गुरुकुल विशाल और प्रसिद्ध था।

प्रश्न 2. आचार्य ने एक दिन अपने शिष्यों को किस प्रयोजन से बुलाया ?

उत्तर— आचार्य ने एक दिन अपने शिष्यों को अपनी पुत्री के विवाह के लिए धन लाने के लिए बुलाया।

प्रश्न 3. धनी विद्यार्थियों ने गुरुदेव के सम्मुख क्या प्रस्ताव रखा ?

उत्तर— धनी विद्यार्थियों ने गुरुदेव के सम्मुख प्रस्ताव रखा कि वे अपने माता-पिता से धन माँग लाएँगे।

प्रश्न 4. आचार्य ने विद्यार्थियों के प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की ?

उत्तर— आचार्य ने माता-पिता से धन माँग कर लाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

प्रश्न 5. क्या 'धन की खोज' कहानी का शीर्षक आपको ठीक लगा ? यदि हाँ, तो क्यों ? कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

उत्तर—'धन की खोज' कहानी का शीर्षक हमें ठीक लगा क्योंकि पूरी कहानी धन प्राप्ति के ही इर्द-गिर्द घूमती है। अन्य शीर्षक 'परीक्षा' हो सकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'धन की खोज' कहानी में आचार्य ने अपने शिष्यों को संकोच से उबारने के लिए क्या सुझाव दिया ?

उत्तर—आचार्य ने अपने शिष्यों को संकोच से उबारने के लिए धन छिपा कर लाने को कहा।

प्रश्न 2. निर्धन-परिवारों के शिष्यों को आचार्य ने क्या बात कही ?

उत्तर—आचार्य ने निर्धन परिवारों के शिष्यों को अपने-अपने घरों से कुछ-न-कुछ लाने के लिए बोला, किंतु ध्यान रहे किसी की दृष्टि उस पर न पड़े।

प्रश्न 3. 'धन की खोज' कहानी में एक विद्यार्थी कोई भी वस्तु क्यों न ला सका ? आचार्य ने उस शिष्य को गले से क्यों लगा लिया ?

उत्तर—एक विद्यार्थी कोई भी वस्तु नहीं ला सका क्योंकि धन चुराते समय वह स्वयं अपने को देख रहा था। आचार्य ने उस शिष्य को गले से लगा लिया क्योंकि सभी शिष्यों में से वही शिष्य आचार्य की परीक्षा में सफल हुआ था।

प्रश्न 4. 'धन की खोज' कहानी में गुरुदेव के द्वारा इस प्रकार की अनुचित आज्ञा देने के पीछे क्या उद्देश्य था ?

उत्तर—गुरुदेव इस प्रकार की अनुचित आज्ञा के द्वारा अपने सभी शिष्यों में से चरित्रवान और गुणी शिष्य की खोज करना चाहते थे।

प्रश्न 5. 'धन की खोज' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर—'धन की खोज' कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी नैतिकता का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। इस पाठ से हमें दृढ़ संकल्प शक्ति और सदाचरण की भी सीख मिलती है।

प्रश्न 6. 'धन की खोज' कहानी के आधार पर आचार्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर—आचार्य बहुत बड़े विद्वान और यशस्वी थे। उन्होंने अपनी बुद्धि विवेक से श्रेष्ठ शिष्य की खोज की। आचार्य शील, सदाचार और चरित्र को ही सबसे बड़ा धन मानते थे।

प्रश्न 7. 'धन की खोज' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर—एक प्राचीन गुरुकुल के आचार्य ने शिष्यों की परीक्षा लेने के उद्देश्य से घर से धन लाने की बात कही। उन्हें चुपचाप धन लाना था। एक शिष्य कुछ भी न ला सका क्योंकि वह स्वयं उस कुकर्म को देखता था। वही शिष्य गुरु की परीक्षा में सफल हुआ तथा उसी के साथ आचार्य की कन्या का विवाह हुआ।

भाषा–बोधन

1. इस कहानी में अनेक विशेषणों का प्रयोग हुआ है। नीचे कुछ विशेष्य शब्द दिए गए हैं आप कहानी से उपयुक्त विशेषण चुनकर लिखिए :

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
विशाल	गुरुकुल	सभी	विद्यार्थियों
धनी	पिता	निर्धन	परिवार
ऐसा	स्थान		

2. 'कुकर्म' शब्द (कु + कर्म) के योग से बना है। इसमें 'कु' उपसर्ग है। इसी प्रकार 'कु' उपसर्ग के योग से बने चार शब्द लिखिए :

कु	—	कुमार्ग	**कु**	—	कुरूप
कु	—	कुबुद्धि	**कु**	—	कुपोषण

3. विलोम शब्द लिखिए :

धनी	×	निर्धन	**विश्वास**	×	अविश्वास
योग्य	×	अयोग्य	**कुकर्म**	×	सुकर्म
पाप	×	पुण्य	**पर्याप्त**	×	अपर्याप्त

4. वाक्य बनाइए :

सामग्री— हवन के लिए पर्याप्त सामग्री का प्रबंध करो।

कुकर्म— मनुष्य को अपने कुकर्मों का फल इसी जन्म में भुगतना पड़ता है।

सदाचार— सदाचार का पालन करने वाला व्यक्ति जीवन में अवश्य सफल होता है।

अशुभ— पंडित ने दुकान के मुहूर्त के लिए यह समय अशुभ बताया है।

निर्धन— सरकार को निर्धन लोगों की सहायता हेतु विशेष योजनाएँ बनानी चाहिए।

5. विशेषण आश्रित उपवाक्य के कुछ उदाहरण नीचे देखिए और समझिए :

(क) वह बालक खड़ा हो जाए, जिसने शीशा तोड़ा है।

(ख) जो शोर मचा रहे थे, वे बालक कक्षा से बाहर चले जाएँ।

(ग) उस व्यक्ति को बुलाओ, जो बाहर खड़ा है।

[रेखांकित उपवाक्य 'विशेषण आश्रित उपवाक्य' हैं।]

इसी प्रकार के तीन वाक्य स्वयं लिखिए :

(*i*) लाल बत्ती हुई और यातायात रुक गया।

(*ii*) जो पैसे मुझे मिले थे, वे खर्च हो गए।

(*iii*) ज्योंही पढ़ने बैठा, बिजली चली गई।

6. उदाहरण पढ़िए और वाक्य परिवर्तन कीजिए :

(क) वह धन ग्रहण करता है।

⇒ वह धन ग्रहण कर रहा है।

(ख) मुझे इससे प्रसन्नता होती है।

⇒ मुझे इससे प्रसन्नता हो रही है।

(ग) राकेश इस बात से दुखी होता है।

⇒ राकेश इस बात से दुखी हो रहा है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

3. भारत रत्न : सचिन

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (घ) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ख) 5. (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सचिन को भारत का अनमोल रत्न क्यों कहा गया है?

उत्तर— भारतीय क्रिकेट में अतुल्य योगदान के कारण सचिन को भारत का अनमोल रत्न कहा गया है।

प्रश्न 2. सचिन को राष्ट्रपति ने किस पुरस्कार से सम्मानित किया?

उत्तर— सचिन को राष्ट्रपति ने पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रश्न 3. सचिन का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उत्तर— सचिन का जन्म 24 अप्रैल, 1973 को मुंबई में हुआ।

प्रश्न 4. सचिन ने कितने वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया ?

उत्तर— सचिन ने 14 वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया।

प्रश्न 5. सचिन ने 4 जून, 2012 को कौन-सी नई पारी शुरू की ?

उत्तर— सचिन ने 4 जून, 2012 को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेकर नई पारी की शुरुआत की।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सचिन की महानता किसमें है ?

उत्तर— सचिन की महानता क्रिकेट का सेवक बनने में है।

प्रश्न 2. 'सचिन एक महान बल्लेबाज हैं'—इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— सचिन के बल्ले से रन बरसते हैं। सचिन ने 31,000 से ज्यादा रन बनाए हैं।

प्रश्न 3. सचिन के प्रारंभिक जीवन के बारे में संक्षेप में बताइए।

उत्तर— सचिन का जन्म 24 अप्रैल, 1973 में मुंबई में हुआ। सचिन के भाई ने उन्हें क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया। तेज गेंदबाजी सीखने के लिए एम०आर०एफ० में दाखिला लिया। कोच रमाकांत अचरेकर द्वारा क्रिकेट की ट्रेनिंग ली। 14 वर्ष की आयु में पाँच पारियों में 1028 रन बनाए।

प्रश्न 4. सचिन की क्रिकेट-यात्रा कब और कैसे आरंभ हुई ?

उत्तर— कोच रमाकांत अचरेकर से मिलने के बाद क्रिकेट यात्रा शुरू हुई। विनोद कांबली के साथ 664 रनों की भागीदारी की।

प्रश्न 5. सचिन जब क्रिकेट मैदान पर होते हैं, तब क्या होता है ?

उत्तर— पूरा क्रिकेट स्टेडियम शांत हो जाता है। सभी का ध्यान खेल पर केंद्रित हो जाता है।

प्रश्न 6. कराची टेस्ट मैच में सचिन ने क्या करिश्मा कर दिखाया ?

उत्तर— 16 वर्ष की उम्र में सबसे कम उम्र में टेस्ट मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बने।

प्रश्न 7. सचिन की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर— सचिन ने 31,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। एक दिवसीय मैच में दोहरा शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी है, 52 क्रिकेट मैदानों पर खेलने का कीर्तिमान उनके नाम है, उन्होंने 463 एक दिवसीय क्रिकेट मैच खेले हैं।

प्रश्न 8. सचिन के व्यक्तिगत जीवन पर प्रकाश डालिए।

उत्तर— उनका व्यक्तिगत जीवन धार्मिक है। वे साईं बाबा और गणेश जी के भक्त हैं। वे शांतिप्रिय संगीत पसंद करते हैं। उनका पारिवारिक जीवन सफलतापूर्वक चल रहा है।

प्रश्न 9. सचिन क्रिकेट खिलाड़ियों को क्या परामर्श देते हैं ?

उत्तर— सचिन क्रिकेट खिलाड़ियों को परामर्श देते हैं, कि पेशे के लिए क्रिकेट खेलना शुरू मत करो।

प्रश्न 10. सचिन तेंदुलकर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर— सचिन सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वे स्वभाव से विनम्र एवं धार्मिक प्रवृति के हैं। शांतिप्रिय संगीत सुनते हैं। गरीबों को शिक्षा दिलाने में मदद करते हैं।

प्रश्न 11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—
सचिन की क्रिकेट-यात्रा तब आरंभ हुई जब सचिन के बड़े भाई अजित ने उन्हें प्रख्यात कोच रमाकांत अचरेकर से मिलवाया। आरंभ में असफलता मिलने पर सचिन निराश हो गए। कोच ने उन्हें पुनः क्रिकेट सीखने का मौका दिया। सचिन ने शारदा आश्रम विद्या मंदिर हाई स्कूल में पढ़ाई की। वहीं पर कोच अचरेकर की देख-रेख में अपने क्रिकेट का सफर आरंभ किया।

प्रश्न (क) सचिन की क्रिकेट-यात्रा शुरू कराने में किसका हाथ था ?

उत्तर— सचिन की क्रिकेट-यात्रा शुरू कराने में बड़े भाई अजित का हाथ था।

प्रश्न (ख) सचिन प्रारंभ में क्यों निराश हो गए ?

उत्तर— सचिन प्रारंभ में असफलता मिलने के कारण निराश हो गए।

प्रश्न (ग) सचिन ने अपनी पढ़ाई कहाँ की ?

उत्तर— सचिन ने पढ़ाई शारदा आश्रम विद्या मंदिर हाई स्कूल, मुंबई से की।

प्रश्न (घ) सचिन के कोच कौन थे ?

उत्तर— सचिन के कोच रमाकांत अचरेकर थे।

प्रश्न 12. भाव स्पष्ट कीजिए—

(क) *अगर सचिन इसमें शामिल हो गया तो फिर बचेगा क्या?*

भाव— सचिन मैच फिक्सिंग में कभी शामिल नहीं हो सकता।

(ख) *क्रिकेट को लेकर समस्त राष्ट्र की आशाएँ उन पर टिकी रहती हैं।*

भाव— सचिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं। सभी उनसे आशा करते हैं।

(ग) *उन्होंने पहली बार संकेत दिया कि वे अपने जीवन में सिर्फ बल्ले से ही अपनी प्रतिक्रिया जताएँगे।*

भाव— सचिन किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया मुँह से देने की बजाय खेल के मैदान में बल्ले से देते हैं।

(क) *"'स्पोर्टिंग जीनियस' - सचिन ऐसे ही दुर्लभ क्रिकेटर हैं और हम खुद को सम्मानित महसूस करते हैं कि हमने उन्हें खेलते हुए देखा है।'"*

भाव— सचिन जैसा पहले ना कोई हुआ है और ना होगा। जिसने भी उन्हें खेलते हुए देखा है, उनके लिए यह गर्व की बात है।

भाषा-बोधन

1. आप भी चार भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए।

सुंदरता, योग्यता, ऊँचाई, सच्चाई

2. उपसर्ग-प्रत्यय—

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग-प्रत्यय अलग करके लिखिए—

शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
अनुशासन	अनु	—
विवाद	वि	—
प्रतिक्रिया	प्रति	—
उत्साहित	—	इत
स्तरीय	—	ईय

शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
पारिवारिक	—	इक
प्रायोजित	—	इत
सम्मानित	—	इत
दिवसीय	—	ईय
असफलता	अ	ता

3. क्रिया-काल—

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के नीचे रेखा खींचिए तथा उसका काल बताइए—

वाक्य	काल
(क) सचिन क्रिकेट के सेवक <u>बने हुए</u> हैं।	वर्तमान काल
(ख) वे सिर्फ़ बाधाएँ ही <u>देख पा रहे</u> थे।	भूतकाल
(ग) वे आत्मविश्वास के साथ <u>खेलते</u> हैं।	वर्तमान काल
(घ) मुझे तो सपने में सचिन <u>नज़र आते</u> हैं।	वर्तमान काल
(ङ) सचिन अभी बहुत अच्छा <u>खेलें</u>गे।	भविष्यत काल

4. उदाहरण देखो, समझो और करो—

(क) मैं क्रिकेट-मैच देखता हूँ।

⇒ मेरे द्वारा क्रिकेट मैच देखा जाता है।

(ख) सचिन के बड़े भाई अजित ने सचिन को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया।

⇒ सचिन के बड़े भाई अजित द्वारा सचिन को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया गया।

(ग) वे बैट से अपनी प्रतिक्रिया जताएँगे।

⇒ वे बैट के द्वारा अपनी प्रतिक्रिया जताएँगे।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

4. आ रही रवि की सवारी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (घ) **2.** (क) **3.** (क) **4.** (क) **5.** (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'आ रही रवि की सवारी' कविता में किस समय का वर्णन है?

उत्तर— 'आ रही रवि की सवारी' कविता में प्रात:काल का वर्णन है।

प्रश्न 2. क्या सूर्यास्त के समय भी ऐसा वर्णन उचित होगा? 'आ रही रवि की सवारी' कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर— सूर्यास्त के समय ऐसा वर्णन उचित नहीं है।

प्रश्न 3. सूर्य और चंद्रमा की तुलना किस प्रकार की गई है? 'आ रही रवि की सवारी' कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर— सूर्य को राजा और चंद्रमा को भिखारी कहकर तुलना की गई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'आ रही रवि की सवारी' कविता में सूर्योदय का वर्णन किस रूप में किया गया है?

उत्तर— कविता में सूर्योदय का भव्य चित्रण किया गया है। सूर्य के आगमन पर फूल खिल उठते हैं, पक्षी चहचहाने लगते हैं और तारें लुप्त हो जाते हैं। चंद्रमा को सूर्य के सामने भिखारी के रूप में दर्शाया गया है।

प्रश्न 2. सूर्योदय के समय प्रकृति कैसा रूप धारण कर लेती है? 'आ रही रवि की सवारी' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— सूर्योदय के समय प्रकृति मनमोहक रूप धारण कर लेती है। सूर्य की नई किरणें धरती पर पड़ती हैं। फूल खिल जाते हैं, बादल नौकरों के समान सुनहरी पोशाक धारण कर लेते हैं। पक्षी, बंदी और भाट मधुर गीत गाने लगते हैं।

प्रश्न 3. प्रातःकाल के समय कवि के मन में अवसाद क्यों है? 'आ रही रवि की सवारी' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— प्रात:काल के समय रात के राजा चंद्रमा को भिखारी के रूप में देखकर कवि के मन में अवसाद है।

प्रश्न 4. चंद्रमा पर सूर्य की विजय का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर— कविता में सूर्य को राजा बताया गया है। वह अपनी विजय से प्रसन्न है रात का राजा चंद्रमा सूर्य के सामने भिखारी के समान प्रतीत हो रहा है। सूर्य के आगमन पर चंद्रमा की चमक फीकी पड़ जाती है।

5. सप्रसंग व्याख्या लिखिए :

(क) *छोड़कर मैदान भागी, तारकों की फौज सारी।*

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ हरिवंश राय 'बच्चन' द्वारा रचित कविता 'आ रही रवि की सवारी' से अवतरित हैं।

व्याख्या— सूर्योदय का वर्णन करते हुए कवि कहता है कि सूर्य के उदित होते ही तारों रूपी फौज मैदान छोड़ कर भाग जाती है। सूर्य के आगमन पर तारें लुप्त हो जाते हैं।

(ख) *रात का राजा खड़ा है, राह में बनकर भिखारी।*

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ हरिवंश राय 'बच्चन' द्वारा रचित कविता 'आ रही रवि की सवारी' से अवतरित हैं।

व्याख्या— कवि कहता है कि सूर्य के उदित होते ही रात्रि का राजा चंद्रमा भिखारी बनकर रास्ते में खड़ा हो जाता है। कवि के कहने का तात्पर्य है कि सूर्य के आते ही चंद्रमा की चमक फीकी पड़ जाती है।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

रवि — सूर्य, दिनकर, भास्कर

रात — रात्रि, निशा, रजनी

राजा — रंक, भूपति, नृप

बादल — घन, जलद, मेघ

2. अलंकार का भेद बताइए :

(क) कलि-कुसुम से पथ सजा है। **अनुप्रास अलंकार**

(ख) बादलों-से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाकधारी। **रूपक अलंकार**

(ग) आ रही रवि की सवारी। **मानवीकरण अलंकार**

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

5. हँसते-हँसते जीना

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) 2. (ग) 3. (घ) 4. (ख) 5. (क) 6. (घ) 7. (क) 8. (ग) 9. (ग) 10. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मित्र किसे बनाया जा सकता है ? इस पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— जो हँस सकता है उसे मित्र बनाया जा सकता है।

प्रश्न 2. विश्वास करने योग्य कौन होता है ? 'हँसते-हँसते जीना' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— जो हँसना जानता है वह विश्वास करने योग्य होता है।

प्रश्न 3. समाज में झगड़े क्यों होते हैं ? 'हँसते-हँसते जीना' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— समाज में झगड़े हास्यप्रियता और हास्य की क्षमता की कमी के कारण होते हैं।

प्रश्न 4. हम हार कर भी जीत कैसे सकते हैं ? 'हँसते-हँसते जीना' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— यदि हम हँसना जानते हैं तो हम पराजय को भी जीत में बदल सकते हैं।

प्रश्न 5. क्रोधी को शांत करने का सबसे अच्छा उपाय क्या है ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— क्रोधी को शांत करने का सबसे अच्छा उपाय हँसी है।

प्रश्न 6. अपने बारे में सोचिए। क्या आप ज़िंदादिल हैं ? अंतर्मुखी हैं ? दूसरों का मज़ाक उड़ाने वाले हैं ? अथवा समस्याओं को हँसी में उड़ा देने वालों में से हैं ?

उत्तर— विद्यार्थी स्वयं करें।

प्रश्न 7. हास्य के साथ किसकी संगति नहीं बैठती ? निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द पर ठीक (✔) का चिह्न लगाइए।

उत्तर— (ग) कटु कथन (✔)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. स्टालिन और गाँधी जी में क्या अंतर था ?

उत्तर— स्टालिन और गाँधी जी में अंतर यह था कि गाँधी जी हँस सकते थे, अपनी गलतियों पर ठहाका लगाकर हँस सकते थे, जबकि स्टालिन से ऐसी आशा नहीं की जा सकती थी। वह कठोर स्वभाव का था।

प्रश्न 2. 'जो हँस सकता है, वह मित्र बनाने योग्य है, उसका विश्वास किया जा सकता है।'— क्यों ? 'हँसते-हँसते जीना' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— जो हँस सकता है वह मित्र बनाने के योग्य है क्योंकि सदा खुश रहने वाला व्यक्ति आपको भी खुश रखेगा। उसका आसानी से विश्वास किया जा सकता। दुखी रहने वाला व्यक्ति खुद भी दुखी रहता है तथा औरों के लिए भी खतरनाक होता है।

प्रश्न 3. पाठ में लेखक के अनुसार जो हँस नहीं सकता वह दया का पात्र किस प्रकार है ?

उत्तर— लेखक के अनुसार जो हँस नहीं सकता वह दया का पात्र है, क्योंकि जो हँसता नहीं वह झगड़े और खून-खराबे में ही उलझा रहता है।

प्रश्न 4. बड़ों और बच्चों में क्या अंतर है ? 'हँसते-हँसते जीना' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— बड़ों और बच्चों में यह अंतर है कि बच्चे आपस में झगड़ने के थोड़ी देर बाद ही झगड़ा भूलकर खेलने लगते हैं जबकि बड़े ऐसा नहीं करते। वे एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या बनाए रखते हैं।

प्रश्न 5. पराजय में भी हास्य की सृष्टि कैसे कर ली जा सकती है ?

उत्तर— जो लोग हँसना जानते हैं वे पराजय में भी हास्य की सृष्टि कर लेते हैं। एक व्यापारी चुनाव में हारकर भी हँस रहा था। उसे केवल तीन वोट मिले और जिन्होंने उसे तीन वोट दिए उन्हें वह बेवकूफ कहकर हँस रहा था। इस प्रकार कुछ लोग पराजित होने पर भी हँसना जानते हैं।

प्रश्न 6. ''मैं दुर्जनों के लिए कभी मार्ग नहीं छोड़ता।'' ''लेकिन मैं छोड़ देता हूँ।'' प्रत्युत्तर देने वाला व्यक्ति पहले व्यक्ति से किस प्रकार जीत गया ?

उत्तर— दूसरे व्यक्ति ने पहले व्यक्ति के लिए रास्ता छोड़ दिया क्योंकि वह हँसना जानता है। अपनी विनम्र प्रवृत्ति के कारण वह पहले व्यक्ति से जीत गया। हँस सकने वाला व्यक्ति सदैव विजयी होता है।

प्रश्न 7. नेपोलियन और हिटलर अद्‌भुत शक्तियों के स्वामी होते हुए भी महान कैसे नहीं थे ?

उत्तर— नेपोलियन और हिटलर अद्‌भुत शक्तियों के स्वामी होते हुए भी महान इसलिए नहीं थे क्योंकि वे हँसना नहीं जानते थे। वे दोनों ही ईर्ष्या और द्वेष की अग्नि में जलते रहते थे। उन्होंने कभी भी मनुष्य की भलाई के लिए कार्य नहीं किया। उनमें जिंदादिली की कमी थी इसलिए उन्हें महान नहीं कहा जा सकता।

प्रश्न 8. हास-परिहास के साथ तीन प्रमुख शर्तें क्या हैं ?

उत्तर— हास-परिहास की तीन प्रमुख शर्तें हैं—हँसी मुखौटा न हो, हँसी ऐसी होनी चाहिए कि सब साथ हँसें, हँसी का यथार्थ से पलायन न हो।

प्रश्न 9. आशय स्पष्ट कीजिए :

''ज़िंदगी संग्राम तो है ही, लेकिन उसे हम धर्मयुद्ध बनाएँ।''

आशय— ज़िंदगी एक युद्ध की तरह है जिसे हमें धर्मयुद्ध की तरह लड़ना चाहिए। लेखक का आशय यह है कि ज़िंदगी को हँस कर जीना चाहिए न कि रोकर या लड़-झगड़कर।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं, इन्हें शुद्ध कीजिए :

गांधि	—	गाँधी	**विशवास**	—	विश्वास
वन्चित	—	वंचित	**भ्रकुटी**	—	भृकुटी
र्दुजनों	—	दुर्जनों	**निर्विकार**	—	निर्विकार
रुँधना	—	रूँधना	**प्रव्रति**	—	प्रवृत्ति

2. निम्नलिखित शब्द-युग्मों के अर्थ लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए :

निश्छल—छलरहित	:	निश्छल मनुष्य हमेशा सम्मान पाने का हकदार होता है।
निश्चल—स्थिर	:	सच्चाई के लिए लड़ना चाहते हो तो तुम्हें अपनी बात पर हिमालय की तरह निश्चल रहना होगा।
मस्त—बेफ़िक्र	:	राहुल हर समय मस्त रहता है।
त्रस्त—डरा हुआ	:	हर समय त्रस्त रहना तुम्हारी सेहत के लिए ठीक नहीं है।
मुद्रा—सिक्का	:	आजकल डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में गिरावट आ गई है।
मुर्दा—मरा हुआ	:	मुर्दे व्यक्ति को कफन में लपेटा गया।
सम्मान—पुरस्कार, इज्जत	:	हमें बड़ों को सम्मान देना चाहिए।
समान—बराबर	:	देश के लिए हर व्यक्ति के कर्तव्य समान हैं।

3. उदाहरण पढ़िए, समझिए और कीजिए :

(क) यदि इसमें मेरी ग़लती थी तो क्षमा करें। अर्थात् **यह मेरी गलती है**।

(ख) यदि आप ग़लती पर थे तो चिंता न करें। अर्थात् आप **गलती पर थे**।

4. समास से बने पदों, पुनरुक्त और युग्म शब्दों के मध्य योजक चिह्न (-) का उपयोग किया जाता है।

पाठ में आए ऐसे पाँच उदाहरण ढूँढ़ कर लिखिए।

झगड़ा-टंटा, बड़ा-सा, बकते-झकते, गाली-गलौच, नाज़-नख़रे

5. इसी प्रकार के अन्य दो उदाहरण लिखिए।

(क) यह कार्य केवल तुम **ही** कर सकते हो।

(ख) इस प्रश्न में तुम्हें दो **ही** अंक मिलेंगे।

6. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए :

(क) पत्नी भन्नाई—''यह क्या करते हो'' ''कुछ नहीं, खाना ठंडा है और तुम्हारा माथा गरम, खाना गरम कर रहा था,'' आचार्य ने उत्तर दिया।

(ख) यह है जीवन को हँसी-खुशी से जीने का ढंग, कठिन परिस्थितियों, क्रोध में भरे और दुर्जन लोगों से भी हँसते मुस्कराते निपटने की कला।

7. इस पाठ से उन वाक्यांशों का चयन कीजिए जिनका प्रयोग हम बोल-चाल की भाषा में करते हैं। जैसे—

(क) एक दिन बकते-झकते सुक़रात की बीबी जब थक गई तो निर्विकार बैठे सुनते पति के ऊपर एक बालटी पानी लाकर उलट दिया।

(ख) क्रोध में उनकी बीबी ने गन्ना तड़ाक् से पीठ पर दे मारा।

(ग) एक-एक तुक्काड़ के नाज़-नख़रे ले लेकर यह दुखी, दुखी प्रेमचंद हँसरहा था।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

6. बकरी दो गाँव खा गई

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (क) **5.** (ख) **6.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आगरा के लोग आश्चर्य में क्यों थे ?

उत्तर— लोग आश्चर्य में इसलिए थे कि भला एक बकरी गाँव कैसे खा सकती है।

प्रश्न 2. किसान से गन्ने का रस माँगने वाला कौन था ?

उत्तर— किसान से गन्ने का रस माँगने वाला बादशाह अकबर था।

प्रश्न 3. पहली बार कितने गन्नों के रस से लोटा भरा ?

उत्तर— पहली बार एक गन्ने के रस से लोटा भरा।

प्रश्न 4. पहले लगान कितना था ?

उत्तर— पच्चीस पैसे।

प्रश्न 5. दूसरी बार लोटा क्यों नहीं भरा ?

उत्तर— क्योंकि बादशाह अकबर की नीयत बिगड़ गई थी।

प्रश्न 6. पहली बार गन्ने का रस पीने के बाद बादशाह के मन में क्या विचार उठा ?

उत्तर— पहली बार गन्ने का रस पीकर बादशाह के मन में विचार आया कि किसान कितना लगान देता है।

प्रश्न 7. बादशाह ने किसान की बात से क्या नसीहत ली ?

उत्तर— बादशाह ने किसान की बात से नसीहत ली कि हमेशा नीयत अच्छी रखनी चाहिए।

प्रश्न 8. चलने से पहले बादशाह ने एक लोटा रस और पीने की माँग क्यों की ?

उत्तर— बादशाह अपनी नीयत परखना चाहते थे।

प्रश्न 9. बकरी के दो गाँव खाने से लेखक का क्या आशय है ?

उत्तर— बकरी के दो गाँव खाने से लेखक का आशय यह है कि बकरी वह पीपल का पत्ता खा गई जिस पर बादशाह ने किसान को दो गाँव देने के बारे में लिखा था।

प्रश्न 10. बादशाह ने किसान को किस प्रकार सावधान किया ?

उत्तर— बादशाह ने किसान को सावधान करते हुए कहा—''इस बार इन गाँवों को बकरी से बचाना।''

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. दस पंक्तियों में किसान का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर—

1. किसान एक भोला-भाला व्यक्ति था।

2. वह मेहनती और अच्छी नीयत का इंसान था।

3. उसने अपने बादशाह अकबर की सेवा बड़ी तल्लीनता के साथ की।

4. वह बादशाह के हुक्म का पालन करता है।

5. किसान ने बादशाह को गन्ने का रस पिलाकर अपने राजा के प्रति कृतघ्नता प्रकट की।
6. किसान ने बादशाह अकबर को नियति और इंसानियत का पाठ पढ़ाया।
7. किसान सच्चाई का प्रतीक था।
8. किसान में स्वामिभक्ति कूट-कूटकर भरी हुई थी।
9. वह लगान समय पर चुकाता था।
10. इस पाठ में किसान की ईमानदारी की स्पष्ट झलक मिलती है।

प्रश्न 2. कहानी में अकबर के चरित्र का कौन-सा पक्ष उजागर होता है ?

उत्तर— कहानी में बादशाह अकबर के चरित्र का न्यायप्रियता और उदारता का पक्ष उजागर होता है।

प्रश्न 3. किसान को अकबर ने क्या इनाम दिया ?

उत्तर— किसान को अकबर ने दो गाँव इनाम में दिए। इन गाँवों की आमदनी से किसान का खाने-पीने का इंतज़ाम हो जाएगा।

प्रश्न 4. अकबर ने कितनी बार किसान से रस माँगा और क्यों ?

उत्तर— अकबर ने तीन बार गन्ने का रस माँगा। पहली बार अकबर ने रस इसलिए माँगा क्योंकि बादशाह थक गए थे और उन्हें प्यास लगी थी। दूसरी बार अकबर और रस पीना चाहते थे। तीसरी बार बादशाह अपनी नियति परखना चाहते थे।

प्रश्न 5. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर— इस कहानी से हमें यही शिक्षा मिलती है कि हमें अच्छी नीयत रखनी चाहिए। साथ ही इस पाठ से उदारता और नैतिकता की भी सीख मिलती है।

प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

किसान फिर से खेत में गया। इस बार **फिर** से एक ही गन्ने के रस से लोटा **भर** गया। वह खुश होकर दौड़ा आया। उसने लोटा **आगे** बढ़ा दिया। अकबर ने रस पिया। फिर पीपल का **एक** पत्ता उठाकर बोले—''हम इस पर तुम्हें **दो** गाँव देने का हुक्म दे रहे हैं। कल **आगरा** आना और पक्का कागज़ लिखवा लेना। तुम्हारे खाने-पीने का **इंतज़ाम** इन गाँवों की आमदनी से हो जाएगा।''

7. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *अकबर को लगा जैसे किसी ने उन्हें आसमान से ज़मीन पर पटक दिया हो।*

आशय— लेखक का आशय है कि अकबर को किसान ने हकीकत से परिचित करा दिया। बादशाह को किसान ने नियति का पाठ पढ़ाकर उन्हें सच्चाई से रूबरू कराया। बादशाह को लगा जैसे वह आसमान से सीधे जमीन पर आ गया हो।

(ख) *उन्हें लगा जैसे वह मामूली किसान एक बादशाह को इंसानियत का पाठ पढ़ा रहा है।*

आशय— बादशाह को ऐसा लगा जैसे एक साधारण-सा किसान उसे मानवता का पाठ पढ़ा रहा है।

8. बताइए, किसने, किससे कहा ?

कथन	किसने ?	किससे ?
(क) थोड़ा गन्ने का रस पिला सकते हो?	बादशाह अकबर ने	किसान से
(ख) यह सिर्फ़ एक ही गन्ने का रस है।	किसान ने	बादशाह अकबर से
(ग) कमाल की बात है।	बादशाह अकबर ने	किसान से
(घ) लगान तो सिर्फ़ पच्चीस पैसे ही देने पड़ते हैं।	किसान ने	बादशाह अकबर से
(ङ) तुमने मुझे वह बात सिखाई है जो बड़े-बड़े विद्वान गुरु भी अपने शासकों को नहीं सिखा पाते।	बादशाह अकबर ने	किसान से
(च) इस बार इन गाँवों को बकरी से बचाना।	बादशाह अकबर ने	किसान से

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों के नीचे रेखा खींचिए तथा सामने उसका भेद लिखिए :

(क) बादशाह ने उसे दरबार में बुलाया। — अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

(ख) वे आगरा के पास किसी गाँव में गए थे। — अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

(ग) अकबर को लगा जैसे उन्हें आसमान से ज़मीन पर पटक दिया गया हो। — अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

(घ) मैंने कोई ग़लत बात तो नहीं कही। — उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

(ङ) किसने पीपल का पत्ता खाया? — प्रश्नवाचक सर्वनाम

2. शब्द का सही रूप रिक्त स्थानों में भरिए :

अच्छा : जहाँ नीयत **अच्छी** है वहाँ बरकत है।

सिखाना : तुमने मुझे जो बात **सिखाई** है वह और कोई नहीं सिखा सकता।

सुख : लालच और छोटापन आदमी को कभी **सुखी** नहीं बनाता।

भोला : अकबर किसान के **भोलेपन** पर बहुत हँसे।

3. वाक्य को बहुवचन रूप में परिवर्तित करके पुनः लिखिए :

प्रश्न (क) यह आदमी गन्ना लाया था।

उत्तर— ये आदमी गन्ने लाए थे।

प्रश्न (ख) वह पीपल का पत्ता उठा लाया।

उत्तर— वे पीपल के पत्ते उठा लाए।

प्रश्न (ग) इस गाँव को बकरी से बचाना।

उत्तर— इन गाँवों को बकरियों से बचाना।

4. वाक्य बनाइए :

(क) इंतज़ाम : विवाह में इंतज़ाम अच्छा होना चाहिए।

(ख) सावधान : सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाओ।

(ग) आश्चर्य : तुम्हारा निर्णय सुनकर मुझे आश्चर्य हो रहा है।

(घ) विद्वान : संत कबीर एक विद्वान पुरुष थे।

5. उदाहरण देखिए, समझिए और कीजिए :

(क) वह थक गया। वह दम लेने बैठ गया।

$\Rightarrow$ वह थककर दम लेने लगा।

(ख) वह बीमार पड़ा। वह लेटा रहा।

$\Rightarrow$ वह बिमार पड़कर लेटा रहा।

(ग) वह गाँव गया। वह दादा से मिला।

$\Rightarrow$ वह गाँव जाकर दादा से मिला।

6. ऐसे चार उदाहरण आप भी दीजिए।

(क) हम आठवीं मंजिल पर रहते हैं।

(ख) कोई सज्जन आए हैं।

(ग) दाल में ज्यादा नमक पड़ गया है।

(घ) चुनाव में कई गुंडे भी खड़े हैं।

7. उपयुक्त स्थानों पर सही विराम-चिह्न लगाइए :

(क) वह ज़ोर से रोता-चिल्लाता आगरा पहुँचा—''हाय बकरी दो गाँव खा गई।''

(ख) बादशाह ने जाते-जाते किसान को सावधान किया—"इस बार इन गाँवों को बकरी से बचाना।"

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

7. फिर क्या होगा उसके बाद ?

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (क) 6. (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. माँ ने शिशु के पहले प्रश्न का क्या उत्तर दिया ?

उत्तर— माँ ने शिशु के पहले प्रश्न का उत्तर दिया कि सूर्य से भी उज्ज्वल और चाँद से सुंदर तुम्हारी बहू घर आएगी।

प्रश्न 2. माँ का उत्तर सुनकर शिशु पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तर— माँ का उत्तर सुनकर बालक के चेहरे पर कुछ क्षण के लिए गंभीरता के भाव छा गए।

प्रश्न 3. बच्चा बार-बार कौन-सा प्रश्न दुहराता है ?

उत्तर— बच्चा बार-बार "फिर क्या होगा उसके बाद" प्रश्न दुहराता है।

प्रश्न 4. माँ का दूसरा उत्तर सुनकर शिशु चिंतित क्यों हो उठा ?

उत्तर— माँ का दूसरा उत्तर सुनकर बालक इसलिए चिंतित हो उठा कि कही शिशु उसके खिलौने अपने घर न ले जाए।

प्रश्न 5. यदि अंतिम प्रश्न आपसे किया जाता तो आप उसका क्या उत्तर देते ?

उत्तर— विद्यार्थी स्वयं करें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'फिर क्या होगा उसके बाद'—कविता का आरंभ हर्ष से हुआ और अंत विषाद पर। स्पष्ट कीजिए, ऐसा क्यों ?

उत्तर— कविता के आरंभ में बालक के मन में अनेक प्रश्न उठ रहे थे। उसका हृदय उत्सुकता से भरा हुआ था इसलिए वह खुश था। परंतु कविता के अंत में वह जीवन की शाश्वत सच्चाई जानकर दुखी हो गया। इस प्रकार कविता का आरंभ हर्ष से हुआ और अंत विषाद पर।

प्रश्न 2. बालक अपने शिशुओं के आने की बात सुनकर चिंतित क्यों हो गया ?

उत्तर— बालक अपने शिशुओं के आने की बात सुनकर इसलिए चिंतित हो गया कि शिशु उसके नए खिलौने कहीं अपने घर न ले जाए।

प्रश्न 3. माँ का अंतिम उत्तर सुनकर शिशु की आँखें क्यों भर आईं ?

उत्तर— माँ ने अंतिम उत्तर में अपनी मृत्यु की बात कही तो यह सुनकर शिशु की आँखें भर आईं।

प्रश्न 4. इस कविता का केंद्रीय भाव क्या है ? निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

उत्तर— (ग) जीवन का रहस्य बहुत गूढ़ है।

प्रश्न 5. सप्रसंग व्याख्या लिखिए :

कवि को बालक ने सिखलाया
सुख-दुख हैं पलभर की माया,
है अनंत का तत्व-प्रश्न यह,
फिर क्या होगा उसके बाद?

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ बालकृष्ण राव द्वारा रचित कविता 'फिर क्या होगा उसके बाद' से अवतरित हैं।

व्याख्या— कवि कहता है कि बालक ने उसे जीवन की शाश्वतता से परिचित कराया। बालक ने उसे सिखाया कि सुख-दुख क्षण भर की माया है इसलिए हमें सुखों के पीछे नहीं भागना चाहिए। वास्तविकता यही है कि हम आगे के बारे में जानने को उत्सुक रहते हैं। हमारे मन में बार-बार एक ही प्रश्न उठता है कि 'फिर क्या होगा उसके बाद।'

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

उज्ज्वल	उत् + ज्वल	**मुखाकृति**	मुख + आकृति
मनोहर	मनः + हर	**पलभर**	पल + भर

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

रवि — सूर्य, भास्कर, दिनकर

माँ — जननी, माता, मैया

स्वर्ग — सुरलोक, देवलोक, वैकुंठ

लोचन — नेत्र, चक्षु, आँख

नभ — आकाश, आसमान, व्योम

3. पाठ में आए विशेषण शब्द छाँटिए।

विशेषण शब्द— उज्ज्वल, सुंदर, गंभीर, मनोहर, नए, अपने, बूढ़ी, सहज

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उत्सुक — बालक उत्सुक होकर सारी बातें सुन रहा था।

गंभीर — सभा में सभी दरबारी सच्चाई सुनकर गंभीर हो गए।

हर्ष — आप से मिलकर हमें हर्ष का अनुभव हुआ।

कुतूहल — बेटा कुतूहल से अपनी माँ की ओर देख रहा था।

तत्व — जीवन-तत्व की गंभीरता को समझना अनिवार्य है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

8. डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ग) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (घ) **5.** (क)
6. (ग) **7.** (क) **8.** (ख) **9.** (घ) **10.** (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. श्रीमती मुत्तु लक्ष्मी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उत्तर— श्रीमती मुत्तु लक्ष्मी का जन्म 30 जुलाई, 1886 को पुडुकोट्टा में हुआ था।

प्रश्न 2. डॉ० मुत्तु लक्ष्मी की कौन-सी विशेषता देखकर लोग चकित रह गए ?

उत्तर— दमा की रोगी होते हुए भी डॉ० मुत्तु लक्ष्मी के असाधारण कार्य देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए।

प्रश्न 3. डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी के समय लड़कियों की शिक्षा की क्या दशा थी ?

उत्तर— उन दिनों लड़कियों को पढ़ाने का चलन बहुत कम था।

प्रश्न 4. डॉ० मुत्तु लक्ष्मी के पिता किस प्रकार के व्यक्ति थे ?

उत्तर— डॉ० मुत्तु लक्ष्मी के पिता कठोर अनुशासनप्रिय, दृढ़ संकल्प के धनी होने के साथ-साथ स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति थे।

प्रश्न 5. श्रीमती मुत्तु लक्ष्मी की शिक्षा-दीक्षा के बारे में बताइए।

उत्तर— मद्रास के मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई करके मुत्तु लक्ष्मी डॉक्टर बनी।

प्रश्न 6. डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी के डॉक्टर बनने के रूप में उनकी क्या विशिष्टता थी ?

उत्तर— डॉ० मुत्तु लक्ष्मी सर्जरी में विशेष योग्यता एवं ऑनर्स की पढ़ाई करके डॉक्टर बनीं। भारतीय विश्वविद्यालय से स्नातक बनने वाली वह पहली महिला थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. श्रीमती मुत्तु लक्ष्मी के सामाजिक एवम् राजनैतिक जीवन पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

उत्तर— डॉ० मुत्तु लक्ष्मी 1926 में विधानसभा की सदस्य निर्वाचित हुईं। विधायक बनने के बाद डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी ने अनेक सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने मंदिरों में देवदासी प्रथा के विरुद्ध जनमत का निर्माण कराया तथा फरवरी, 1929 में इस बुराई का उन्मूलन कराया। उन्होंने बाल कल्याण केंद्रों, शिशुओं के लिए विशेष अस्पतालों, नारी-शिक्षा के लिए स्कूलों की स्थापना की।

प्रश्न 2. 'नमक सत्याग्रह' में डॉ० मुत्तु लक्ष्मी ने किस प्रकार योगदान किया ?

उत्तर— सन् 1929-30 में 'नमक सत्याग्रह' के दौरान महात्मा गाँधी और महिलाओं की गिरफ्तारी तथा उन पर अंग्रेज़ों के अत्याचारों के विरोध में डॉ० मुत्तु रेड्डी ने विधानसभा की उपाध्यक्षा के पद से त्यागपत्र दे दिया। त्यागपत्र देने के बाद वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़ी।

प्रश्न 3. बच्चों के लिए डॉ० मुत्तु लक्ष्मी ने क्या कार्य किया ?

उत्तर— डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी ने स्कूलों में छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य-परीक्षण कराने की पहल की। उन्होंने बाल-कल्याण केंद्र खोले। शिशुओं के लिए विशेष

अस्पतालों की स्थापना की। सन् 1930 में उन्होंने अनाथ बच्चों और बेसहारा बालिकाओं के लिए 'अवाई होम' जैसी अखिल भारतीय ख्याति प्राप्त संस्था की स्थापना की।

प्रश्न 4. भारत सरकार ने डॉ० मुत्तु लक्ष्मी को किस प्रकार सम्मानित किया ?

उत्तर— डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी की महान सेवाओं के लिए उन्हें भारत सरकार ने सन् 1956 में 'पद्मविभूषण' की उपाधि से अलंकृत किया।

प्रश्न 5. श्रीमती मुत्तु लक्ष्मी के जीवन-चरित्र से बालिकाओं को क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर— श्रीमती डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी के जीवन-चरित्र से बालिकाओं को मेहनत, दृढ़ संकल्प शक्ति और लगन की शिक्षा मिलती है। वे भारतीय महिलाओं के लिए अनोखी मिसाल बनीं।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) अखिल भारतीय महिला संगठन की स्थापना और **संचालन** में डॉ० मुत्तु लक्ष्मी का प्रमुख हाथ था।

(ख) उस समय ताड़ के पत्तों पर **अक्षर** अंकित किए जाते थे।

(ग) मुत्तु लक्ष्मी **दमे** की बीमारी से परेशान रहती थीं।

(घ) डॉ० मुत्तु लक्ष्मी का विवाह **डॉ० सुंदर रेड्डी** के साथ **सन् 1913** में संपन्न हुआ।

(ङ) **सन् 1914** में डॉ० मुत्तु लक्ष्मी ने अपना क्लिनिक खोला।

(च) डॉ० मुत्तु लक्ष्मी ने मंदिरों में **देवदासी** प्रथा के विरुद्ध जनमत संग्रह किया।

प्रश्न 7. डॉ० मुत्तु लक्ष्मी ने अपने जीवन में जो-जो कार्य किए, उनमें से पाँच का उल्लेख कीजिए।

उत्तर— डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी ने निम्नलिखित कार्य किए—

(क) सन् 1927 में डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी ने भारत का प्रथम बाल चिकित्सालय खोला।

(ख) उन्होंने मंदिरों में देवदासी प्रथा के विरुद्ध जनमत निर्माण किया और फरवरी, 1929 में इस बुराई का उन्मूलन कराया।

(ग) उन्होंने बाल-कल्याण केंद्रों, शिशुओं के लिए विशेष अस्पतालों की स्थापना की।

(घ) सन् 1930 में डॉ० मुत्तु लक्ष्मी रेड्डी ने अनाथ बालकों एवं बेसहारा बालिकाओं के लिए अवाई होम जैसी अखिल भारतीय ख्याति प्राप्त संस्था की स्थापना की।

(ङ) सन् 1951 में उन्होंने दक्षिण भारत में प्रथम कैंसर अस्पताल की स्थापना की।

भाषा-बोधन

1. (क) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. नीचे लिखे वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया-पदों के नीचे रेखा खींचिए :

(क) भारत सरकार ने डॉ० लक्ष्मी को अलंकृत किया था।

(ख) उनका चमत्कार देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए।

(ग) अध्यापक ने उन्हें अंग्रेज़ी पढ़ा दी।

(घ) मुत्तु लक्ष्मी की दमा की बीमारी बढ़ गई थी।

(ङ) देश उन्हें सदैव याद करेगा।

3. विलोम शब्दों का मिलान कीजिए :

परलोक	इहलोक
विरोध	समर्थन
प्रथम	अंतिम
उच्च	निम्न
प्रमुख	गौण

4. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(क) आश्चर्यचकित रहना—आयुष्मान को राहुल की पुस्तक चुराते देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया है।

(ख) प्रोत्साहित करना—हमें बच्चों को अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

(ग) मुँह बंद करना—धोखेबाज प्रॉपर्टी डीलर ने रिश्वत देकर पुलिस का मुँह बंद कर दिया।

(घ) परलोक सिधारना—आर्यन की दादी जी पिछले साल ही परलोक सिधार गई।

5. उदाहरण देखिए, समझिए और कीजिए :

(क) भारत सरकार ने डॉ० लक्ष्मी को सम्मान दिया।

⇒ भारत सरकार द्वारा डॉ० लक्ष्मी को सम्मान दिया गया।

(ख) अध्यापक ने मुत्तु लक्ष्मी को अंग्रेज़ी पढ़ाई।

⇒ अध्यापक के द्वारा मुत्तु लक्ष्मी को अंग्रेज़ी पढ़ाई गई।

(ग) उन्होंने देवदासी-प्रथा के विरुद्ध बिल पास कराया।

⇒ उनके द्वारा देवदासी-प्रथा के विरुद्ध बिल पास कराया गया।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

9. मैं जुलाहा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (घ) **2.** (घ) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (ग) **6.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. यह पाठ किस शैली में लिखा गया है ?

(क) वर्णन शैली में (ख) आत्मकथात्मक शैली में (ग) चित्रण शैली में

उत्तर— (ख) आत्मकथात्मक शैली में।

प्रश्न 2. जुलाहे को और किन-किन नामों से पुकारा जाता है ?

उत्तर— जुलाहे को कोरी, बुनकर और तंतुवाय के नामों से पुकारा जाता है।

प्रश्न 3. जुलाहे किसे अपना पूर्वज स्वीकार करते हैं ?

उत्तर— विधाता को।

प्रश्न 4. प्रारंभिक अवस्था में मनुष्य किस दशा में रहता था ?

उत्तर— प्रारंभिक अवस्था में मनुष्य नग्न अवस्था में रहता था।

प्रश्न 5. प्राचीन ग्रंथों में जुलाहे के महत्व को किस रूप में स्वीकार किया गया है ?

उत्तर— प्राचीन ग्रंथों में जुलाहों को बहुत सम्मान दिया गया है।

प्रश्न 6. ढाका के मलमल की क्या विशेषता थी ?

उत्तर— ढाका के मलमल का पूरा थान एक अँगूठी में से निकल जाता है।

प्रश्न 7. जुलाहे का कर्म पवित्र किस प्रकार है ? स्पष्ट करो।

उत्तर— दूसरों के तन को ढक कर उनकी लाज बचाना, सरदी-गरमी से रक्षा करना, शरीर के सौंदर्य में वृद्धि तथा परिश्रम से आजीविका कमाना आदि से स्पष्ट होता है कि जुलाहों का कर्म पवित्र है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. महात्मा कबीर के विषय में पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर— (क) संत कबीर बहुत बड़े विद्वान पुरुष थे।

(ख) वे जाति से जुलाहा थे।

(ग) वे कपड़ा बुनते और दोहे सुनाते थे।

(घ) अनपढ़ होते हुए भी समाज में उनका बहुत सम्मान था।

(ङ) उनका व्यक्तित्व अत्यंत महान था। वे निर्भीक एवं ईश्वर के उपासक थे।

प्रश्न 2. जुलाहों का दुर्भाग्य कब और कैसे जागा ?

उत्तर— जुलाहों का दुर्भाग्य तब जागा जब अंग्रेज़ी शासन ने मशीनी वस्त्रों को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। जुलाहों पर कई प्रकार के कर लगाए गए तथा उन पर अनेक अत्याचार किए गए।

प्रश्न 3. महात्मा गाँधी ने जुलाहों के हित के लिए क्या कार्य किया ?

उत्तर— महात्मा गाँधी ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई तथा स्वदेशी वस्त्रों का समर्थन किया। उन्होंने स्वयं चरखा चलाकर सूत काता और खादी के उद्योग को प्रोत्साहित किया। उन्होंने 'खादी ग्रामोद्योग' का विशेष प्रचार किया।

प्रश्न 4. बया के घोंसले की कुछ विशेषताएँ बताइए।

उत्तर— बया पक्षी पेड़ों के साथ बोतलों-सी आकृति के घोंसले बुनते हैं। इन घोंसलों को देखकर ऐसा लगता है मानो उलटी बोतलें लटक रही हों। इनकी सुंदरता पर व्यक्ति मुग्ध हुए बिना नहीं रह सकता।

प्रश्न 5. मनु के संबंध में जुलाहा क्या कहना चाहता है ?

उत्तर— मनु के संबंध में जुलाहा कहता है कि उन्होंने हमारे वस्त्रों की बहुत प्रशंसा की। उन्होंने कहा—"यदि आप गृहस्थी में सुख चाहते हैं तो गृहिणियों को सदा वस्त्र आदि देकर उनका सम्मान किया करें।"

प्रश्न 6. प्रकृति में कौन-कौन से प्राणी बुनने की कला का सुंदर प्रदर्शन करते हैं ?

उत्तर— प्रकृति में ऐसे बहुत-से प्राणी हैं जो बुनने की कला में अत्यंत निपुण हैं। मकड़ी बड़ी कुशलता से अपना जाला बुनती है। बया पक्षी पेड़ों के साथ बोतलों-सी आकृति के घोंसले बुनते हैं। जुलाहा को शायद बुनने की प्रेरणा इन्हीं से मिली हो।

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) जुलाहों ने लोगों की **नग्नता** को दूर किया।

(ख) वेदों में भी जुलाहों की **भूरि-भूरि** प्रशंसा की गई है।

(ग) बया पक्षी बुनने की कला की प्रेरणा देने में जुलाहों का गुरु रहा होगा।

(घ) संत कबीर **जुलाहे** ही तो थे।

(ङ) महात्मा गाँधी ने **स्वदेशी** आंदोलन चलाया।

8. सरलार्थ लिखिए :

जात न पूछौ साधु की, पूछ लीजिए ग्यान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।

सरलार्थ— कबीरदास कहते हैं कि मनुष्य की जाति कोई नहीं पूछता, सब उसके गुणों और ज्ञान के बारे में ही पूछते हैं। तलवार का मोल-भाव तो करो परंतु उसे म्यान में ही पड़े रहने दीजिए।

9. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *विधाता सूर्य की किरणों द्वारा दिन रूपी सफ़ेद वस्त्र बुनता है और अंधकार से रात्रि का काला वस्त्र।*

आशय— जुलाहों ने विधाता को अपना पूर्वज बताया है। ईश्वर सूरज द्वारा दिन रूपी सफेद कपड़ा बुनता है अर्थात् ईश्वर दिन बनाता है और अंधेरे से रात रूपी कपड़ा बुनता है अर्थात् रात बनाता है।

(ख) *हमारा कर्म बहुत ही पवित्र है।*

आशय— जुलाहों का काम पवित्र माना जाता है क्योंकि ये दूसरों को तन ढकने तथा लाज बचाने के लिए वस्त्र देते हैं।

(ग) *अब खादी आधुनिकता और फ़ैशन का पर्याय बन चुकी है।*

आशय— आजकल खादी का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। विदेशों में भी खादी बहुत पसंद की जा रही है। आधुनिक युग में युवा पीढ़ी के लिए खादी फैशन का साधन बन गई है।

भाषा-बोधन

1. **(क) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:**

   विद्यार्थी स्वयं करें।

   (ख) निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण कीजिए और अंतर समझिए :

   विद्यार्थी स्वयं करें।

2. विलोम शब्द लिखिए :

(क) पुरानी— **नई**

(ख) प्राचीन — **नवीन**

(ग) उपकार —**अपकार**

(घ) पहला — **अंतिम**

(ङ) वृद्धि — **ह्रास**

(च) पवित्र — **अपवित्र**

(छ) स्वदेशी —**विदेशी**

3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(क) भूरि-भूरि प्रशंसा करना = **तारीफ करना—** स्टेडियम में विजयी टीम की विरोधी पक्ष के खिलाड़ियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

(ख) चार चाँद लगाना = **शोभा बढ़ाना—** तेंदुलकर अपने रिकॉर्ड बनाने के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट को भी चार चाँद लगा रहे हैं।

(ग) डूबते को तिनके का सहारा = **संकट में थोड़ी सहायता मिलना—** व्यवसाय में घाटा होने पर प्रेमनाथ को भाइयों से मिली आर्थिक सहायता डूबते को तिनके के सहारे के समान है।

(घ) मुग्ध होना = **मोहित होना—** खजुराहो के मंदिरों की भव्य नक्काशी देखकर मैं मुग्ध हो गया।

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

(क) सभ्य—**सभ्यता**

(ख) नग्न—**नग्नता**

(ग) आधुनिक—**आधुनिकता**

(घ) योग्य—**योग्यता**

(ङ) पवित्र—**पवित्रता**

(च) भव्य—**भव्यता**

(छ) प्राचीन—**प्राचीनता**

5. उदाहरण देखिए, समझिए और कीजिए :

(क) तुम्हारे कार्यों की सर्वत्र-निंदा की गई है।

⇒ तुम्हारे कार्यों की सर्वत्र-निंदा हुई है।

(ख) हमारे प्रयासों की विश्व भर में सराहना की गई है।

⇒ हमारे प्रयासों की विश्व भर में सराहना हुई है।

(ग) उनके कार्यक्रमों की सभी के द्‌वारा प्रशंसा की गई है।

⇒ उनके कार्यक्रमों की सभी के द्‌वारा प्रशंसा हुई है।

6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनामों को छाँटिए तथा उनके भेद भी बताइए :

वाक्य	सर्वनाम	भेद
(क) मैं जुलाहा हूँ।	मैं	उत्तम पुरुष
(ख) आपने मनु महाराज का नाम तो सुना होगा।	आपने	निजवाचक
(ग) कौन है जिसने कबीर का नाम न सुना हो।	कौन	प्रश्नवाचक
(घ) ये हम ही थे।	ये, हम	अन्य पुरुष, उत्तम पुरुष
(ङ) हम आपको भी बुनने की कला सिखा देंगे।	हम, आपको	उत्तम पुरुष, निजवाचक

7. एकवचन रूप लिखिए :

(क) **गृहिणियों**—गृहणी (ख) **किरणों**—किरण (ग) **ग्रंथों**—ग्रंथ

(घ) **दोहों**—दोहा (ङ) **वस्त्रों**—वस्त्र

बहुवचन रूप लिखिए :

(क) **जंगल**—जंगलों (ख) **बोतल**—बोतलों (ग) **प्राणी**—प्राणियों

(घ) **चरखा**—चरखों (ङ) **व्यक्ति**—व्यक्तियों

ज्ञान-विस्तार

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

10. मनुष्यता

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (घ) **3.** (क) **4.** (घ) **5.** (घ) **6.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मृत्यु एक कटु सत्य है। क्या हमें इससे डरना चाहिए ?

उत्तर— मृत्यु से हमें कभी नहीं डरना चाहिए।

प्रश्न 2. आप किन कार्यों द्‌वारा मृत्यु को चिरस्मरणीय बना सकते हैं ?

उत्तर— दूसरों की मदद करके, उदारता और परोपकार के द्‌वारा हम मृत्यु को चिरस्मरणीय बना सकते हैं।

प्रश्न 3. क्या हमारी उदार भावना तिरस्कृत होती है ? इसे सिद्‌ध करने के लिए कवि ने किनका उदाहरण दिया है ?

उत्तर— हमारी उदार भावना तिरस्कृत होती है। इसके लिए कवि ने भगवान बुद्‌ध का उदाहरण दिया है।

प्रश्न 4. 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना किन पंक्तियों में अभिव्यक्त होती है ?

उत्तर— 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना इन पंक्तियों में अभिव्यक्त होती हैं :

मनुष्य मात्र बंधु हैं, यही बड़ा विवेक है,
पुराण पुरुष स्वभू पिता तो प्रसिद्‌ध एक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मृत्यु को चिरस्मरणीय कैसे बनाया जा सकता है ? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर— जो दूसरों के प्रति सहानुभूति, दया, सहयोग की भावना रखता है उसे मृत्यु के बाद भी लोग स्मरण करते हैं। कवि ने मृत्यु से नहीं डरने के लिए कहा है। साथ ही वह ऐसी मृत्यु की वकालत करता है जिसके बाद लोग उसे याद करे।

प्रश्न 2. पशु, मनुष्य और देवताओं में क्या मूल अंतर है ?

उत्तर— पशु की यह प्रवृत्ति होती है कि वह खुद ही चरता रहता है। उसे दूसरों की परवाह नहीं होती। जबकि मनुष्य दूसरों के लिए जीता और मरता है। उसमें उदार भावना कूट-कूटकर भरी होती है। वह अपने स्वार्थ को त्याग कर मानव मात्र के लिए जीता है। देवता तो सभी के रक्षक होते हैं। उनके लिए समस्त प्राणी जगत एक है।

प्रश्न 3. इस कविता का सार सरल शब्दों में कहिए।

उत्तर—'मनुष्यता' कविता में कवि ने उदारता, परोपकार और सहानुभूति की भावना को मनुष्यता के लिए श्रेष्ठ बताया है। कवि कहता है कि हमें मृत्यु से नहीं डरना चाहिए। मृत्यु भी ऐसी हो कि मरने के बाद भी लोग याद करे। जो केवल अपने लिए ही जीते है वह जीना कोई जीना नहीं है। वह पशु प्रवृत्ति है जो केवल खुद ही चरता रहता है। मनुष्य वही है जो अपना स्वार्थ त्याग कर दूसरों के प्रति दया, परोपकार और सहानुभूति की भावना रखे। ऐसी उदारता की तो सरस्वती भी गुणगान करती है। सारी सृष्टि ऐसी उदारता को ही पूजती है। भगवान बुद्ध की उदारता को विरुद्धवाद के नाम से जाना गया। सारा संसार उसी के आगे नतमस्तक होता है जो परोपकार करे। सच्चा मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए मरे। फल के अनुसार कर्म के भेद अनेक हैं परंतु फल देने वाला तो सबका ईश्वर एक ही है। यह अनर्थ ही कहा जाएगा यदि मनुष्य मनुष्य के दुखों की परवाह न करे। इस प्रकार कवि सच्ची मनुष्यता के लिए दया, परोपकार को आवश्यक मानता है।

प्रश्न 4. *'विरुद्धवाद बुद्ध का, दया-प्रवाह में बहा*
विनीत लोकवर्ग, क्या न सामने झुका रहा?'

—इन पंक्तियों के संदर्भ में 'सहानुभूति' को व्याख्यायित कीजिए।

उत्तर—विरुद्धवाद से तात्पर्य है कि भगवान बुद्ध ने ब्राह्मणवाद का विरोध करके जिस बौद्ध धर्म को स्थापित किया, उसमें दया और करुणा का भाव निहित है। लोगों ने इस धर्म को अपनाया और बुद्ध के सामने झुके। बौद्ध धर्म मनुष्यता मात्र के प्रति दया और सहानुभूति का पक्षधर है।

प्रश्न 5. कवि ने हम सभी को एक ही पिता की संतान कहा है। फिर जाति, रंग, वर्ण आदि का भेद हममें कैसे उपजा ?

उत्तर—कवि ने हम सभी को एक ही पिता की संतान माना है फिर भी आज मानव मानव में भेद किया जाता है। यह भेद रंग, वर्ण, जाति के आधार पर होता है। इसका स्पष्ट कारण अंधविश्वास, असमानता और स्वार्थपरता की भावना ही दृष्टिगोचर होता है।

6. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे।

आशय—जो संपूर्ण आत्मा का भाव सारे संसार में भर दे, कवि ने ऐसे मानव की कामना की है।

(ख) वशीकृता सदैव ही बनी हुई स्वयं मही।

आशय—जो दूसरों का उपकार करते हैं उनके लिए तो सारी पृथ्वी भी अपने आप वश में हो जाती है। अर्थात् समस्त संसार ऐसे मानव के आगे झुक जाता है।

(ग) फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं।

आशय—फल प्राप्ति के अनुसार कर्म के बाहरी रूप से अनेक भेद हैं।

(घ) परंतु अंतरैक्य में परमाणभूत वेद है।

आशय— कर्म अनेक प्रकार के हो सकते हैं परंतु वास्तविकता वही है जो प्रमाणित रूप में वेदों में समाहित है।

प्रश्न 7. 'मनुष्यता' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए।

उत्तर— मनुष्यता कविता का केंद्रीय भाव उदारता, परोपकार और सहानुभूति है। मनुष्यता का अनिवार्य तत्व है स्वार्थ त्यागकर दूसरों की मदद करो।

भाषा-बोधन

1. संधि-विच्छेद कीजिए :

परोपकार—पर + उपकार

अंतरैक्य—अंतर + ऐक्य

फलानुसार—फल + अनुसार

संस्कृति—सम् + कृति

2. विलोम शब्द लिखिए :

उदार—अनुदार

मृत्यु—जीवन

पुरुष—स्त्री

सजीव—निर्जीव

अखंड—खंड

3. निम्नलिखित शब्दों के साथ उचित प्रत्यय लगाकर लिखिए

शब्द	**प्रत्यय**	**प्रत्यय युक्त शब्द**
अमर	ता	अमरता
परोपकार	ई	परोपकारी
बंधु	त्व	बंधुत्व
उदार	ता	उदारता
ईर्ष्या	आलु	ईर्ष्यालु

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

11. नन्हा-सा पौधा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (ग) **5.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'नन्हा-सा पौधा' पाठ में स्त्री पौधे को क्यों उखाड़ना चाहती है?

उत्तर— क्योंकि स्त्री को लगता है कि इस पौधे की वजह से उसके बच्चों की भाषा और संस्कृति बिगड़ रही है।

प्रश्न 2. बच्चों ने नन्हा-सा पौधा क्यों लगाया था?

उत्तर— बच्चों ने एक पेड़ लगाने का खेल खेला था। इसलिए उन्होंने नन्हा-सा पौधा लगाया था।

प्रश्न 3. स्त्री और पुरुष को पौधे से क्या डर था?

उत्तर— स्त्री और पुरुष को डर था कि कहीं दूसरी जाति के लोग उनकी जमीन पर कब्जा न कर ले।

प्रश्न 4. 'नन्हा-सा पौधा' किसका प्रतीक है?

उत्तर— 'नन्हा-सा पौधा' बच्चों में एकता का प्रतीक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'नन्हा-सा पौधा' पाठ में स्त्री और पुरुष की मानसिकता कैसी है?

उत्तर— स्त्री और पुरुष की मानसिक सोच बहुत छोटी है। वे नन्हें पौधे को झगड़े की जड़ मानते हैं तथा उसे उखाड़ फेंकना चाहते हैं। स्त्री का मानना है कि इस पौधे की वजह से उसके बच्चों की भाषा और संस्कार चौपट हो रहे हैं। इस पाठ से स्त्री-पुरुष की संकीर्ण मानसिकता उजागर होती है।

प्रश्न 2. क्या कारण था कि स्त्री और पुरुष मिलकर भी नन्हें-से पौधे को उखाड़ नहीं पाए?

उत्तर— स्त्री और पुरुष मिलकर भी नन्हें पौधे को नहीं उखाड़ पाए क्योंकि वह नन्हा पौधा बच्चों ने लगाया था। बच्चे भावात्मक एकता के प्रतीक होते हैं। वे जाति-पाति, वर्ण, रंग आदि के भेद को भूल कर एक साथ खेलते हैं।

प्रश्न 3. पौधा बढ़ रहा है।— यह किस बात का प्रतीक है? 'नन्हा-सा पौधा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— पौधा बढ़ रहा है—यह बढ़ती एकता का प्रतीक है। नन्हें बच्चे जाति-पाति के भेदभाव को भूलकर मिलकर खेलते हैं। इस प्रकार पौधे के साथ-साथ उनमें एकता भी बढ़ रही थी।

प्रश्न 4. जिस पौधे को स्त्री-पुरुष सम्मिलित प्रयास से भी उखाड़ नहीं पाए उसे बच्चों ने आसानी से उखाड़ लिया। कैसे?

उत्तर— पौधा बच्चों के मन की बात को समझता है। स्त्री-पुरुष की तुलना में एकता की भावना बच्चों में अधिक होती है।

प्रश्न 5. बच्चे और पेड़-पौधे किस भाषा को समझते हैं?

उत्तर— बच्चे और पेड़-पौधे भाईचारे की भाषा समझते हैं। उनमें किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव नहीं होता है।

भाषा-बोधन

2. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं का काल पहचानिए :

		काल
(क)	यहाँ पेड़ लगा दिया किसी ने।	भूतकाल
(ख)	अपने बच्चे भी तो यहीं खेलते हैं।	वर्तमान काल
(ग)	नहीं, नहीं हमने खेल किया है।	वर्तमान काल
(घ)	हम सब ने मिलकर एक स्वप्न देखा था।	भूतकाल
(ङ)	हम इसे यहाँ नहीं रहने देंगे।	भविष्यत काल

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्य-परिवर्तन कीजिए :

(क) सारी भाषा और संस्कार चौपट हो रहे हैं हमारे बच्चों के।

⇒ हमारे बच्चों की सारी भाषा और संस्कार चौपट हो रहे हैं।

(ख) न जाने कैसा पौधा है यह।

⇒ यह पौधा न जाने कैसा है।

(ग) पता नहीं कितनी गहरी जड़ है इसकी।

⇒ इसकी जड़ पता नहीं कितनी गहरी है।

(घ) फिर से लगा दो इस पौधे को यहीं।

⇒ इस पौधे को फिर से यहीं लगा दो।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

12. केसर वाले देश में

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ग) **2.** (घ) **3.** (क) **4.** (ख) **5.** (ख)
6. (क) **7.** (ग) **8.** (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक वैष्णो देवी क्यों नहीं जा सका ?

उत्तर— लेखक वैष्णो देवी इसलिए नहीं जा सका क्योंकि वहाँ बहुत सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती है। लेखक का मित्र बहुत मोटा था, वह सीढ़ियाँ नहीं चढ़ पाता।

प्रश्न 2. बरसात में रास्ता जाम होने का क्या कारण था ?

उत्तर— घसकीले पहाड़ बरसात में घसक कर रास्ता जाम कर देते हैं।

प्रश्न 3. झेलम का उद्‌गम स्थल कहाँ है ?

उत्तर— बेरी नाग में बना एक जलकुंड झेलम नदी का उद्‌गम स्थल है।

प्रश्न 4. लिद्‌दर नदी यूरोप की नदियों से भी श्रेष्ठ कैसे थी ?

उत्तर— अपनी खूबसूरती और तेज गति के कारण लिद्‌दर नदी यूरोप की नदियों से भी श्रेष्ठ थी।

प्रश्न 5. लेखक को कश्मीर को स्वर्ग मानने में क्या परेशानी थी ?

(क) उसने कश्मीर नहीं देखा था

(ख) उसने स्वर्ग नहीं देखा था

(ग) उसने न कश्मीर देखा था न स्वर्ग

(घ) यह बात उसकी बुद्‌धि से परे थी

उत्तर— (क) उसने कश्मीर नहीं देखा था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर— कश्मीर भारत का स्वर्ग माना जाता है। यहाँ पर बहने वाली नदियाँ इसके सौंदर्य में वृद्‌धि करती हैं। यहाँ अनेक सुंदर झीलें, बागान, बगीचे हैं जो इसकी सुंदरता में चार चाँद लगाते हैं।

प्रश्न 2. अमरनाथ अपनी किस विशेषता के कारण दर्शनीय स्थल है ?

उत्तर— अमरनाथ गुफा में बाबा अमरनाथ बर्फ के बने हुए है, जो चाँद के घटने-बढ़ने के साथ घटते-बढ़ते रहते हैं। यह अमरनाथ की सबसे बड़ी विशेषता है।

प्रश्न 3. लेखक को निम्नलिखित स्थल क्यों सर्वाधिक प्रभावशाली लगे ?

लिद्‌दर नदी, शेषनाग झील, डल झील, निशात बाग़, शालीमार बाग़।

उत्तर— लेखक को निम्नलिखित स्थल विभिन्न कारणों से प्रभावशाली लगे :

लिद्‌दर नदी— यह नदी साँप से भी तेज गति से बह रही थी। इसक स्वच्छ और ठंडा पानी लेखक को रोमांचित कर रहा था।

शेषनाग झील— इस झील का पानी हमेशा नीला रहता है। सौंदर्य की दृष्टि से यह स्वर्ग की नदियों से टक्कर लेती है।

डल झील— डल झील में चलने वाले शिकारे उसकी आभा बढ़ा रहे थे। नावों में केसर, फूल, कश्मीरी रेशम की चीज़ें मिल रही थी।

निशात बाग़— निशात बाग डल झील के किनारे सीढ़ीनुमा एक खूबसूरत बाग है। इस बाग की अद्‌भुत सुंदरता देखकर लेखक आश्चर्यचकित हो गया।

शालीमार बाग़— यह बाग जहाँगीर ने लगवाया था। यहाँ चिनार के सुंदर पेड़, चबूतरे, संगमरमरी मेहराबें, बरामदें तथा फूलों की क्यारियाँ लेखक को मनमोहित कर रही थी।

प्रश्न 4. हाउसबोट व शिकारे के विषय में लेखक द्वारा बतलाए गए वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर— शिकारे नाव की तरह होते हैं। इन्हें डल झील में जल-क्रीड़ा करते देख सकते हैं। हाउसबोट झेलम नदी में देखी जा सकती है। ये अंदर से राजसी महल के समान होती हैं। इनमें आरामदायक सभी चीज़ें उपलब्ध होती हैं। शिकारे और हाउसबोट कश्मीर की झीलों में तैरती सैलानियों को बहुत खूबसूरत लगती हैं।

5. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *राम राम करते रामबन गया।*

आशय— घसकीले पहाड़ों से जाम रास्ते को पार करने के बाद आगे के टेढ़े-मेढ़े मोड़ों को भी पार कर लिया। इस प्रकार राम राम करते रामबन गया।

(ख) *अपने काम पर आदमी को इतना ही भरोसा होना चाहिए।*

आशय— जिस प्रकार सुरंग बनाते समय इंजीनियर को अपने ऊपर पूरा विश्वास था वही विश्वास हर आदमी को अपने ऊपर होना चाहिए।

(ग) *अगर कश्मीर नहीं देखा तो हिंदुस्तान में कुछ नहीं देखा।*

आशय— कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है। भारत में इसके सौंदर्य के आगे सभी नगण्य है।

भाषा-बोधन

2. रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए :

	संज्ञा-भेद
(क) मैंने पुस्तक मेज़ पर रख दी।	जातिवाचक
(ख) हम उन दिनों लाहौर ही में रहते थे।	व्यक्तिवाचक
(ग) सहसा एक जगहलोगों का समूह नज़र आया।	जातिवाचक, समुदायवाचक
(घ) तब मैं और मेरा मित्र एक तरफ़ खड़े हो गए और अपनी थकान मिटाने लगे।	जातिवाचक, भाववाचक

3. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया-विशेषण अव्यय चुनकर लिखिए :

	क्रिया-विशेषण
(क) वहाँ सब खबरें अपने आप पहुँचती हैं।	वहाँ
(ख) मैं अखबार कभी नहीं पढ़ता।	कभी
(ग) तुम भी मेरा अनुकरण करो।	भी
(घ) हमें रात में जल्दी सोने की आदत है।	जल्दी

4. उदाहरण पढ़ कर वाक्य-परिवर्तन कीजिए :

(क) यह पहाड़ था बड़ा घसकीला।

⇒ वे पहाड़ बड़े घसकीले थे।

(ख) यह कुछ छोटा रास्ता था।

⇒ ये कुछ छोटे रास्ते थे।

5. प्रेरणार्थक क्रिया के दोनों रूपों के पाँच-पाँच उदाहरण दीजिए।

प्रथम प्रेरणार्थक

(क) उससे यह कार्य मोहिनी ने कराया।

(ख) माता ने बच्चे को दूध पिलाया।

(ग) मैंने रेस्टोरेंट से खाना डिब्बे में डलाया।

(घ) चौकीदार ने मुझे अंदर जाने का रास्ता दिखाया।

(ङ) रीटा ने छोटे भाई के लिए खाना बनाया।

द्‌वितीय प्रेरणार्थक

(क) माता ने नौकरानी से बच्चे को दूध पिलवाया।

(ख) पिता जी ने माली से बगीचे से फूल तुड़वाए।

(ग) नेहा ने अपने छोटे भाई से दूध मँगवाया।

(घ) अध्यापक ने चपरासी से सभी छात्रों को मैदान में बुलवाया।

(ङ) दादी ने अपनी पोती से पत्र पढ़वाया।

ज्ञान-विस्तार

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

13. पानी और पुल

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ग) 5. (क) 6. (ख) 7. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक और उसकी माँ लाहौर क्यों गए थे ?

उत्तर— भारत विभाजन के कारण लेखक और उसकी माँ लाहौर गए थे।

प्रश्न 2. लेखक मन ही मन क्यों डर रहा था ?

उत्तर— लेखक को चौदह साल पहले हुई आगजनी की याद आ गई, इसलिए लेखक मन ही मन डर रहा था।

प्रश्न 3. यह घटना किस समय की है ?

उत्तर— यह घटना भारत विभाजन के बाद की है।

प्रश्न 4. लेखक और उसकी माँ कितने वर्षों के पश्चात् अपने गाँव आए थे ?

उत्तर— लेखक और उसकी माँ भारत विभाजन के चौदह वर्ष के बाद अपने गाँव आए थे।

प्रश्न 5. लेखक के पिता व चाचा का नाम क्या था ?

उत्तर— लेखक के पिता का नाम सरदार मूलासिंह और चाचा का नाम खेलसिंह था।

प्रश्न 6. लेखक और उसकी माँ को क्या-क्या उपहार मिले ?

उत्तर— लेखक और उसकी माँ को उपहार में बादाम, अखरोट, किशमिश आदि सूखे मेवे मिले।

प्रश्न 7. लेखक के पिता को क्या हो गया था ?

उत्तर— लेखक के पिता को पेट में रसौली हो गई थी जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस कहानी के द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है ?

उत्तर— इस कहानी के द्वारा लेखक भारत-विभाजन की त्रासदी का वर्णन करना चाहता है। भारत विभाजन के बाद अनेक परिवार टूट गए। हिंसा, आगजनी और सांप्रदायिकता का साम्राज्य फैल गया। इन सबके बावजूद भी लोगों के मन में अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव बना रहा। लेखक का उद्देश्य इस कहानी में यही सब कुछ दर्शाना है।

प्रश्न 2. यात्रा के समय लेखक की माँ क्यों उदास थी ?

उत्तर— लेखक की माँ अपने गाँव की पुरानी यादों में खोई हुई थी। वह उस स्थान को देखने जा रही थी जहाँ वह पहले रहती थी। विभाजन के बाद हुई त्रासदी के डर से तथा यात्रा के दौरान कोई अनिष्ट न हो जाए यही सोचकर लेखक की माँ उदास थी।

प्रश्न 3. 'पंजाब की पाँचों नदियों का जल उन्माद की तीखी शराब बन चुका था''—इस कथन से लेखक क्या बतलाना चाहता है ?

उत्तर— पंजाब का विभाजन घोषित हो चुका था। विभाजन के बाद देशभर में सांप्रदायकि दंगे, आगजनी और लूटपाट मच गई। चारों ओर त्राहि-त्राहि मची हुई थी। इस घटना की तुलना लेखक ने पंजाब की पाँचों नदियों में उफनते हुए जल से की है जो कड़वी शराब जैसा प्रतीत हो रहा था।

प्रश्न 4. माँ और लेखक की भावनाओं में क्या अंतर है ?

उत्तर— लेखक की माँ को अपने गाँव से बहुत लगाव था। परंतु शायद लेखक के मन में उस गाँव के प्रति उतना स्नेह नहीं था।

प्रश्न 5. सराई स्टेशन पर गाड़ी को खड़ी देखकर लेखक क्यों घबरा गया?

उत्तर— सराई स्टेशन पर गाड़ी को खड़ी देखकर लेखक इसलिए घबरा गया क्योंकि लेखक को चौदह साल पहले की सुनी-सुनाई घटनाएँ स्मरण हो आई। उस समय दंगाइयों ने न जाने कितनी ही गाड़ियों को रोक कर लोगों को मार डाला था।

प्रश्न 6. सराई के व्यक्तियों के व्यवहार से क्या पता चलता है?

उत्तर— लेखक और उसकी माँ से सराई के लोगों का बर्ताव बहुत अच्छा था। वे सभी उनसे कुशल क्षेम पूछ रहे थे। उन्होंने लेखक और उसकी माँ को अनेक उपहार दिए। इन सब बातों से लगता है कि सराई के व्यक्तियों के दिलों में अपने गाँव से जुड़े लोगों के प्रति स्नेह और प्रेम का भाव था।

प्रश्न 7. इस कहानी का शीर्षक 'पानी और पुल' क्या अर्थ व्यक्त करता है? इस शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर— इस कहानी का शीर्षक 'पानी और पुल' यही अर्थ व्यक्त करता है कि किस प्रकार एक नदी पर बना पुल पानी को दो हिस्सों में बाँट देता है उसी प्रकार भारत देश का विभाजन भी दो हिस्सों में हो गया था। इसी विभाजन की त्रासदी का मार्मिक चित्रण इस कहानी में व्यक्त हुआ है। हमें कहानी का शीर्षक सार्थक प्रतीत होता है। यह शीर्षक कहानी के मूल भाव को स्पष्ट रूप से उजागर करता है।

8. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *परंतु मनुष्य के अंदर का पशु कब जाग उठे, कौन जानता है?*

आशय— लेखक को डर था कि न जाने कब लोग फिर से दंगे करने लगे और वे गाड़ी के यात्रियों को मारने लगे।

(ख) *आग रुकी तो लगा, पेशावर तक सपाट फैली हुई ज़मीन अमृतसर और लाहौर के बीच से फट गई है, और उस पार का फटा हुआ हिस्सा बीच में गहरी खाई छोड़कर न जाने कितना उधर खिसक गया है।*

आशय— लेखक का आशय है कि विभाजन के बाद पेशावर तक समतल फैली हुई जमीन अमृतसर और लाहौर के बीच बँट गई अर्थात् देश का विभाजन हो गया था।

(ग) *मेरी दृष्टि और नीचे की ओर भी जा रही थी, जहाँ घुप्प अंधेरा था; पर मैं जानता था वहाँ पानी है—झेलम नदी का कल-कल करता हुआ स्वच्छ और निर्मल पानी, जो उस पत्थर और लोहे के बने हुए पुल के नीचे से बह रहा था।*

आशय— झेलम नदी के पुल के ऊपर से गाड़ी निकल रही थी। रात का समय होने के कारण चारों ओर अंधेरा छाया हुआ था। झेलम नदी का स्वच्छ निर्मल पानी लेखक को अब शांति का संदेश दे रहा था।

भाषा–बोधन

1. (क) इस पाठ में आए कुछ पंजाबी शब्द छाँटिए एवं उनके हिंदी में अर्थ लिखिए।

पंजाबी शब्द	हिंदी में अर्थ	पंजाबी शब्द	हिंदी में अर्थ
एकबारगी	एक बार	पोटली	गठरी
बंदे	आदमी	भरजाई	भाभी
वाहेगुरु	हे ईश्वर		

(ख) वाक्य बनाओ

1. मैं षष्ठ कक्षा में पढ़ता हूँ।
2. हमारी टीम द्वितीय स्थान पर रही।
3. चतुर्थ पंक्ति का नवम छात्र खड़ा हो जाए।
4. रवि परीक्षा में प्रथम स्थान पाना चाहता था।
5. पञ्चम कक्षा की छात्रा को तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

2. विशेषण उपवाक्य

(क) जिसे आप ढूँढ़ रहे हैं, वह मैं नहीं हूँ।

(ख) जो पैसे मुझे मिले थे, वे खर्च हो गए।

क्रिया विशेषण उपवाक्य

(क) ज्योंही पढ़ने बैठा बिजली चली गई।

(ख) जब घंटी बजी फोन उठा लिया।

संज्ञा उपवाक्य

(क) मुकुल की इच्छा है कि तुम प्रथम आओ।

(ख) कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें पूरा वेतन दिया जाए।

समानाधिकरण उपवाक्य

(क) मैं वहाँ गया तो था किंतु लेकर कुछ नहीं आया।

(ख) न मैंने पुस्तक माँगी और न उसने दी।

3. (क) वाक्य संश्लेषण—पूर्वकालिक क्रिया के प्रयोग से

मैंने कार्तिक को आते देखा। मैंने दरवाजा बंद कर लिया।

वाक्य संश्लेषण— कार्तिक को आते देखकर मैंने दरवाजा बंद कर लिया।

(ख) वर्तमानकालिक कृदंत के प्रयोग से

— शिखा को बुखार है। वह सो रही है। हमें शोर नहीं करना चाहिए।

वाक्य संश्लेषण— शिखा को बुखार के कारण सोते देखकर हमें शोर नहीं करना चाहिए।

(ग) किसी उपवाक्य के कुछ मुख्य शब्द लेकर शेषांश छोड़ देने से :

— छात्र ने कापियाँ लीं। बैग में डाली। छात्र पढ़ने चला गया।

वाक्य संश्लेषण— छात्र बैग में कापियाँ डालकर पढ़ने चला गया।

(घ) संयोजक अव्ययों के प्रयोग से :

— वह रात देर तक जागा। सुबह देर से उठा। विद्यालय भी देर से पहुँचा।

वाक्य संश्लेषण— रात देर तक जागने के कारण वह सुबह देर से उठा और विद्यालय भी देर से पहुँचा।

(ङ) 'जो' और 'वह' सर्वनामों तथा इनके विभिन्न रूपों के प्रयोग से :

— मुझे चाय का पैकेट चाहिए। वह अलमारी में पड़ा है।

वाक्य-संश्लेषण— मुझे वही चाय का पैकेट चाहिए जो अलमारी में पड़ा है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

14. दुर्घटनाग्रस्त मित्र को पत्र

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (घ)
6. (क) **7.** (ख) **8.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. यह पत्र किसने, किसको, कहाँ से लिखा है ?

उत्तर— यह पत्र नीरज शर्मा ने अपने मित्र रजनीकांत को दिल्ली से लिखा है।

प्रश्न 2. इस पत्र को लिखने की आवश्यकता क्यों हुई ?

उत्तर— लेखक अपने दुर्घटनाग्रस्त मित्र से परीक्षाओं के कारण मिलने नहीं जा सका इसलिए पत्र लिखने की आवश्यकता हुई।

प्रश्न 3. लेखक किस बात पर विस्मय-विमुग्ध होकर रह गया ?

उत्तर— लेखक अपने मित्र के धैर्य, साहस और मनोबल पर विस्मय-विमुग्ध होकर रह गया।

प्रश्न 4. लेखक के मित्र में कौन-कौन से विशेष गुण हैं ?

उत्तर— लेखक के मित्र में धैर्य, साहस और मनोबल हैं।

प्रश्न 5. संकट से उबरने की शक्ति कहाँ होती है ?

उत्तर— संकट से उबरने की शक्ति स्वयं अपने भीतर होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक का हृदय क्या सोचकर काँप उठता है ?

उत्तर— लेखक के मित्र के साथ हुई दुर्घटना की भीषणता और दुखद परिणाम के बारे में सोचकर लेखक का हृदय काँप उठता है।

प्रश्न 2. नीलिमा किस बात में अपनी उपमा आप ही है ?

उत्तर— नीलिमा पैरों से अपंग है लेकिन कष्ट झेलने की उसकी शक्ति अवर्णनीय है। उसने कभी भी अपनी शारीरिक दुर्बलता को अपने जीवन के महान लक्ष्यों के आगे नहीं आने दिया। आज वह मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही है। इस प्रकार नीलिमा अपनी उपमा आप ही है।

प्रश्न 3. लेखक को कभी-कभी स्वयं पर ईर्ष्या क्यों होने लगती है ?

उत्तर— लेखक को कभी-कभी स्वयं पर ईर्ष्या होने लगती है क्योंकि उसमें अपने मित्र की तरह धैर्य और साहस नहीं है।

प्रश्न 4. उन तीन प्रमुख कवियों के नाम बताइए जो अंधे थे।

उत्तर— कवियों में सूरदास, हेलन केलर और जायसी अंधे थे।

प्रश्न 5. हेलन केलर किस रूप में अपंग थी ? उसने किनके लिए कार्य किया ?

उत्तर— हेलन केलर गूंगी-बहरी होने के साथ-साथ अंधी भी थी। उसने अंधों और बहरों के लिए कार्य किए।

6. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *विवेकशील व्यक्ति के लिए विपत्ति कोई समस्या नहीं होती।*

आशय— जिसमें धैर्य और साहस हो, ऐसा व्यक्ति विपत्ति में भी नहीं घबराता अर्थात् कोई भी बाधा उसके सामने तुच्छ समान होती है।

(ख) *कर्मवीर की यात्रा के साथी धैर्य, साहस और मनोबल हैं।*

आशय— कर्मवीर व्यक्ति के साथ धीरज, हिम्मत और दृढ़संकल्प शक्ति हमेशा चलते हैं। अर्थात् ये तीनों गुण सदैव उसके अंदर समाहित होते हैं।

(ग) *विपत्तिकाल ही पुरुषार्थ की जाँच का समय है।*

आशय— विपत्ति अर्थात् कठिनाई में ही सही मनुष्य का पता चलता है। कहने का तात्पर्य है कि व्यक्ति की विवेकशीलता का पता विपत्ति के समय ही चलता है।

7. भाव स्पष्ट कीजिए :

(क) *तुलसी असमय के सखा, धीरज, धरम, विवेक।*
साहस, सुकृत, सत्यव्रत, राम भरोसो एक।

भाव— तुलसीदास जी के अनुसार विपत्ति के समय मनुष्य के मित्र धैर्य, धर्म, विवेक, साहस, सुकर्म और सत्यता हैं। इनके अलावा ईश्वर पर भरोसा होना चाहिए।

(ख) *धीरज, धरम, मित्र अरु नारी,*
आपत काल परखिए चारी।

आशय— धैर्य, धर्म, मित्र और स्त्री (पत्नी) की परीक्षा विपत्तिकाल में ही होती है।

भाषा-बोधन

1. प्रत्येक वर्ग से एक-एक उचित शब्द चुनकर संधि-शब्द बनाइए :

(क) वज्र + आघात = **वज्राघात**

(ख) वयः + वृद्ध = **वयोवृद्ध**

(ग) दुः + दशा = **दुर्दशा**

(घ) पुरुष + अर्थ = **पुरुषार्थ**

(ङ) पुनः + निर्माण = **पुनर्निर्माण**

2. '**विमुग्ध**' में '**वि**' का अर्थ है—'**विशेष करके**' या '**बहुत अधिक**'।

'**विकल**' में '**वि**' का अर्थ है—'**रहित**' या '**हीन**'।

निम्नलिखित शब्दों में पहले 'वि' के लिए '1' तथा दूसरे 'वि' के लिए '2' लिखिए :

विराट	**1**	विशेष	**1**	विभिन्न	**1**
विनाश	**1**	विमल	**1**	विज्ञान	**1**
विधवा	**2**	विषम	**2**	विनायक	**1**
विपक्ष	**2**	विकल	**2**	विद्वेष	**2**

3. नीचे भाववाचक संज्ञाएँ दी जा रही हैं। उनसे विशेषण बनाइए :

(क) दुर्बलता—**दुर्बल**

(ख) व्यस्तता—**व्यस्त**

(ग) साहस—**साहसी**

(घ) प्रसन्नता—**प्रसन्नचित**

(ङ) जीवटता—**जीवट**

4. शुद्ध करके लिखिए :

(क) दुघर्टना—**दुर्घटना**

(ख) शांती चित्त—**शांति चित्त**

(ग) सर्मथ—**समर्थ**

(घ) आशवस्त—**आश्वस्त**

(ङ) इर्श्या—**ईर्ष्या**

(च) चिकीत्सा—**चिकित्सा**

5. योजक लगाकर वाक्य-संश्लेषण कीजिए (उदाहरण देखिए, समझिए और कीजिए) :

(क) ***(i)* उसका पैर कट गया।**

***(ii)* वह शांत बना रहा।**

⇒ उसका पैर कट गया लेकिन वह शांत रहा।

(ख) ***(i)* उसने कष्ट झेले।**

***(ii)* वह महान बन गया।**

⇒ उसने कष्ट झेले इसलिए वह महान बन गया।

6. वाक्य प्रयोग :

आपत्ति—मुझे उसे यहाँ बुलाने में कोई आपत्ति नहीं है।

विपत्ति—विपत्ति में ही सच्चे मित्र का पता चलता है।

साथी—तुम्हारे सभी साथी मैदान छोड़कर भाग चुके हैं।

सहयोग—इस कार्य के लिए तुम किसी का भी सहयोग ले सकते हो।

अतिथि—घर में अचानक आए अतिथियों की संख्या चार थी।

मेहमान—मेहमान भगवान स्वरूप होता है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

15. खिलौना

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (क) **3.** (घ) **4.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'खिलौना' कविता के पहले छंद में बालक ग़रीब है अथवा अमीर यह किन शब्दों से ज्ञात होता है ?

उत्तर—'दीना का लाल' शब्द से बालक के गरीब होने का पता चलता है।

प्रश्न 2. 'खिलौना' कविता में माँ क्या कह कर अपने बच्चे को आश्वासन देती है ?

उत्तर—माँ अपने बच्चे को आश्वासन देते हुए कहती है कि ऐसा खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है।

प्रश्न 3. 'खिलौना' कविता में ग़रीब बालक माँ को कैसे निरुत्तर कर देता है ?

उत्तर—गरीब बालक ने यह कह कर माँ को निरुत्तर कर दिया कि क्या राजा का बेटा मिट्टी के खिलौने से खेलेगा।

प्रश्न 4. 'खिलौना' कविता में शिशु राजकुमार ने किस खिलौने की माँग की ?

उत्तर—शिशु राजकुमार मिट्टी का खिलौना माँग रहा था।

प्रश्न 5. ये वाक्य किसने कहे, किससे कहे :

	किसने कहा	**किससे कहा**
(क) इस मिट्टी से खेलेगा क्या, राजपुत्र तू ही कह तो।	गरीब बालक ने	अपनी माँ से
(ख) वह बालक पुचकार रहा था, पथ में जिसको बारंबार।	राजकुमार ने	दास-दासियों से
(ग) वह तो मिट्टी का ही होगा, खेलो तुम तो सोने से।	दास-दासियों ने	राजकुमार से
(घ) मिट्टी का हो या सोने का, इनमें वैसा एक नहीं।	राजकुमार ने	दास-दासियों से

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'खिलौना' कविता में किन दो प्रकार के बालकों का वर्णन है ?

उत्तर—'खिलौना' कविता में एक राजा के बेटे का और दूसरा गरीब के बेटे का वर्णन है।

प्रश्न 2. कवि ने 'खिलौना' कविता में बाल-स्वभाव की किन विशेषताओं को उद्‌घाटित किया है ?

उत्तर— कवि ने बाल स्वभाव की विशेषताओं को इस प्रकार उद्‌घाटित किया है कि बालक स्वभाव से ही हठी होते हैं। उन्हें सदैव दूसरों की ही चीज़ अच्छी लगती है। बाल मन पर अमीरी-गरीबी का भेद नहीं होता।

प्रश्न 3. दीना तथा दास-दासियाँ किस प्रकार अपने-अपने बालकों को समझाते हैं ? 'खिलौना' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— दीना की माँ अपने बालक को समझाती है कि मिट्‌टी का खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है इसलिए तू इसी से खेल। दास-दासियाँ भी राजकुमार को समझाते हैं कि वह तो मिट्‌टी का खिलौना है, आप सोने के खिलौने से खेलिए।

प्रश्न 4. भावार्थ लिखिए :

(क) *'था सुवर्ण-निर्मित वह तो!*
खेल इसी से लाल नहीं है
राजा के घर भी यह तो!'

भावार्थ— दीना की माँ अपने बच्चे से कहती है कि राजकुमार का खिलौना तो सोने का बना है, परंतु तुम इसी मिट्‌टी के खिलौने से खेलो—क्योंकि ऐसा खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है।

(ख) *'इस मिट्‌टी से खेलेगा क्या*
राजपुत्र तू ही कह तो।'

भावार्थ— गरीब बालक अपनी माँ को समझाता है कि क्या राजकुमार इस मिट्‌टी के खिलौने से खेलेगा। राजकुमार तो सोने के खिलौनों से ही खेलेगा।

प्रश्न 5. इस कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

सार— गरीब का बेटा अपनी माँ से सोने का खिलौने लेने की जिद करता है जिससे राजकुमार खेल रहा था। माँ अपने बेटे को समझाती है कि तुम इसी से खेलो क्योंकि ऐसा खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है। परंतु बालक, माँ की बात नहीं मानता और मिट्‌टी के खिलौने को नीचे फेंक देता है। वहीं बालक राजकुमार गरीब के मिट्‌टी के खिलौने को लेने की जिद करता है। दास-दासियाँ राजकुमार को समझाते हैं कि वह तो मिट्‌टी का है, आप सोने के खिलौने से खेलिए। परंतु राजहठ में बालक राजकुमार अपने सभी

उपहार फेंक देते हैं। इस प्रकार इस कविता का सार यही है कि बालक को सदैव दूसरे की वस्तु अच्छी लगती है। वे अमीर-गरीब के बीच भेदभाव नहीं करते। उनके लिए तो सभी समान है।

भाषा-बोधन

1. कविता में आए विशेषण शब्द छाँटिए।

विशेषण शब्द— वही, बेचारी, उसी, वह, रजत-हेम

2. द्वित्व व्यंजन

द्वित्व व्यंजन वाले शब्द—लस्सी, पक्का, कच्चा, बच्चा, चम्मच, कद्दू, मक्का, चक्का

3. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

वयथित—व्यथित

सुव्रण—सुवर्ण

आर्केषित—आकर्षित

र्निमित—निर्मित

राजसि—राजसी

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

16. स्काउट की डायरी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (ख) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'स्काउट की डायरी' पाठ किस शैली में लिखा गया है?

उत्तर— डायरी शैली में।

प्रश्न 2. स्काउट हरिद्वार क्यों गया?

उत्तर— कुंभ के अवसर पर स्काउट शिविर में भाग लेने के लिए।

प्रश्न 3. हरिद्वार में लोगों का ताँता क्यों लगा हुआ था?

उत्तर— कुंभ के मेले के लिए हरिद्वार में लोगों का तांता लग गया।

प्रश्न 4. कुंभ के मेले की भीड़ को देखकर क्या लगता है?

उत्तर— कुंभ की भीड़ को देखकर लगता है हमारा राष्ट्र एक है।

प्रश्न 5. 'स्काउट और गाइड' का झंडा किस रंग का होता है? इसे देखते ही मन में क्या भाव उठता है?

उत्तर— स्काउट का झंडा नीले रंग का होता है। इसे देखते ही मन गर्व से भर उठता है।

प्रश्न 6. खतरे की सूचना देने के लिए कैसी सीटी बजाई जाती है? इस पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— खतरे की सूचना के लिए एक छोटी और एक लंबी सीटी बजाई जाती है।

प्रश्न 7. सोचिए और बताइए :

क्या आप स्काउट/गाइड बनना चाहेंगे? यदि 'हाँ', तो क्यों?

विद्यार्थी स्वयं करें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गंगा नदी का दृश्य देखकर मन को कैसी अनुभूति होती है? 'स्काउट की डायरी' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— गंगा को देखकर मन हर्षोल्लासित होता है। गंगा की पवित्रता और शीतलता मन को मोह लेती है। गंगा का पानी कल-कल ध्वनि करता कानों को बहुत भाता है।

प्रश्न 2. स्काउट मास्टर ने 12 जनवरी को स्काउटों को क्या निर्देश दिया? 'स्काउट की डायरी' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— 12 जनवरी को स्काउट मास्टर ने निर्देश दिए—आज हमें उस स्थान का निरीक्षण करना है जहाँ कल से हमें अपनी ड्यूटी करनी है। भीड़ के कारण यात्रियों के भटक जाने की संभावना रहती है। अत: हमें उन्हें उचित सहायता प्रदान करनी होगी।

प्रश्न 3. लोहड़ी के दिन स्काउट-टोली ने क्या कार्य किया? 'स्काउट की डायरी' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— लोहड़ी के पर्व पर स्काउट ने अनेक यात्रियों को उनके ठहरने के स्थान तक पहुँचाया, उनके सामान को उठाने में सहायता की।

प्रश्न 4. संक्रांति के दिन स्काउट ने परोपकार का क्या काम किया?

उत्तर— संक्राति के दिन एक लड़की पुल पार करते समय रेलिंग से टकराकर गिर पड़ी। स्काउट ने उसे लपककर उठाया, उसका घाव साफ करके पट्टी बाँध दी।

प्रश्न 5. स्काउट मास्टर साहब ने बच्चे को डूबने से कैसे बचाया?

उत्तर— बच्चे को डूबते देखकर स्काउट मास्टर नदी में कूद पड़े और तैरकर बच्चे को डूबने से बचा लिया। नाव की सहायता से मास्टर साहब बच्चे को किनारे तक ले आए।

प्रश्न 6. कैंप-फ़ायर क्या होता है? स्काउट की यह इच्छा क्यों हुई कि 'इसी तरह के कैंप-फ़ायर रोज़ हुआ करें?'

उत्तर— कैंप-फ़ायर में मनोरंजन के कार्यक्रम होते हैं। स्काउट को कैंप फ़ायर में बहुत आनंद आया। सभी ने कार्यक्रम में कुछ न कुछ अवश्य सुनाया। स्काउट ने भी एक हास्य कविता सुनाई। उसे कैंप-फ़ायर में बहुत मज़ा आया। स्काउट का मन हुआ कि इसी तरह के कैंप-फ़ायर रोज हो।

प्रश्न 7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) हम लोगों का शिविर **गंगा नदी** के दूसरी ओर लगा है।

(ख) कुंभ के मेले में लोगों के आने का **तांता** लगा हुआ है।

(ग) हम सवेरे **नित्य-कर्म** से निवृत्त होकर वरदी पहन रहे थे।

(घ) विश्राम के पश्चात् हम **ड्यूटी** के लिए पूरी तरह तैयार थे।

(ङ) स्काउट का काम **महत्वपूर्ण** और उपयोगी होता है।

भाषा-बोधन

1. नीचे लिखे मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(क) ताँता लगना— नेता का भाषण सुनने के लिए मैदान में लोगों का ताँता लग गया।

(ख) आँखें खुलना— महावीर का रुखा व्यवहार देखकर रवि की आँखें खुल गई।

(ग) मनमोह लेना— संगीता ने अपने सुंदर नृत्य से सभी का मन मोह लिया।

(घ) फूला न समाना— इंटरनेट पर पुत्री के अच्छे परीक्षा परिणाम देखकर पिता फूले न समाए।

2. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

सुंदर—सुंदरता

शीतल—शीतलता

योग्य—योग्यता

नम्र—नम्रता

3. नीचे लिखे वाक्यों से क्रिया पद छाँटिए :

	क्रिया पद
(क) मैंने उसके घाव को साफ़ किया।	साफ़ किया
(ख) एक लंबी सीटी बज उठी।	बज उठी
(ग) हम ड्यूटी पर तीन बजे ही आ गए थे।	आ गए थे
(घ) उसने बच्चे को डूबने से बचा लिया।	डूबने से बचा लिया
(ङ) मैं कंधे पर दबाव डालने लगा।	दबाव डालने लगा

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग करें कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए :

(क) उपयोगी— दुकान से मैंने घर का कुछ उपयोगी सामान खरीदा।

(ख) शीतलता— गंगा नदी पवित्रता और शीतलता की प्रतीक मानी जाती है।

(ग) एकत्रित— सभा में सभी नेतागण एकत्रित हुए।

(घ) निरीक्षण— डॉक्टरों का एक दल हमारे विद्यालय में डेंगू के बारे में जानकारी देने और निरीक्षण करने आया।

(ङ) विनोदपूर्ण— कमरे में अचानक माहौल विनोदपूर्ण हो गया।

5. वचन बदल कर वाक्य पुनः लिखिए :

(क) शिविर पर नीला झंडा लगा था।

शिविरों पर नीले झंडे लगे थे।

(ख) मैंने अखाड़े में साधु देखा था।

हमने अखाड़ों में साधुओं को देखा था।

(ग) हमने उस स्थान का निरीक्षण किया, जो सुविधाजनक था।

हमने उन स्थानों का निरीक्षण किया, जो सुविधाजनक थे।

ज्ञान–विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

17. दोहा-दशक

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (घ) **5.** (ग) **6.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कबीर ने गुरु की तुलना किससे की है ?

उत्तर—कबीर ने गुरु की तुलना अमृत की खान से की है।

प्रश्न 2. कबीर ने मन को मूँड़ने की बात क्यों कही है ?

उत्तर—मन की मलीनता अर्थात् तुच्छ विचारों के त्याग के लिए कबीर ने मन को मूँड़ने की बात कही है।

प्रश्न 3. सज्जन की तुलना सोने से और दुर्जन की तुलना घड़े से क्यों की गई है ?

उत्तर—सज्जन पुरुष सोने के समान बार-बार टूट कर भी नहीं हारते, दुर्जन पुरुष घड़े के समान एक दरार आने पर भी टूट जाते हैं।

प्रश्न 4. स्वयं ठगाए जाने पर सुख कैसे मिलता है ?

उत्तर—इससे मन को संतोष मिलता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कबीर ने गुरु की महिमा किस प्रकार व्यक्त की है ?

उत्तर—कबीर ने गुरु को अमृत की खान बताया है। सिर देकर भी यदि सच्चा गुरु मिल जाए तो यह सस्ता है। गुरु कुम्हार की भाँति शिष्य को गढ़ता है।

प्रश्न 2. मन में उपस्थित विषय-विकारों को किस प्रकार शुद्ध किया जा सकता है ?

उत्तर—मन को मूँड़ने से मन में उपस्थित विषय-विकार शुद्ध होते हैं।

प्रश्न 3. बांबी पर प्रहार करने वाले को कबीर ने बावला क्यों कहा है ?

उत्तर—क्योंकि बांबी पर प्रहार करने से साँप नहीं मरता, इसलिए कबीर ने बांबी पर प्रहार करने वाले को बावला कहा है।

प्रश्न 4. कबीर ने मूर्ति पूजा का खंडन कैसे किया है ?

उत्तर—कबीर ने मूर्ति पूजा का खंडन पत्थर की पूजा करने तथा मंदिर-मस्जिद बनाने के विरोध द्वारा किया है।

प्रश्न 5. कबीर ने चक्की की उपयोगिता कैसे स्थापित की है ?

उत्तर—कबीर ने पत्थर की मूर्ति की पूजा करने के बजाय पत्थर की चक्की को उपयोगी बताया है क्योंकि उससे पीसा आटा सारा संसार खाता है।

प्रश्न 6. सप्रसंग भावार्थ लिखिए :

(क) *गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट।*
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।

प्रसंग—प्रस्तुत पंक्तियाँ कबीर द्वारा रचित कविता 'दोहा-दशक' से अवतरित हैं।

भावार्थ—गुरु कुम्हार के समान है और शिष्य घड़े की तरह। वह गढ़-गढ़ कर उसके दोषों को दूर करता है। वह अंदर से सहारा देता है और बाहर से सख्ती दिखाता है।

(ख) *बोली एक अमोल है, जो कोई बोलै जानि।*
हियै तराजू तोलि के, तब मुख बाहर आनि।।

प्रसंग—प्रस्तुत पंक्तियाँ कबीर द्वारा रचित कविता 'दोहा-दशक' से अवतरित हैं।

भावार्थ—कबीर ने कहा है कि बोली अनमोल है। जो कुछ भी बोलना चाहो पहले उसे हृदय में सोच-विचार कर फिर बोलो।

(ग) *कबीर आप ठगाइए, और न ठगिए कोइ।*
आप ठग्यां सुख उपजै, और ठग्यां दुख होइ।।

प्रसंग—प्रस्तुत पंक्तियाँ कबीर द्वारा रचित कविता 'दोहा-दशक' से अवतरित हैं।

भावार्थ—कबीर का कहना है कि स्वयं को ठगने से कोई हानि नहीं होती। स्वयं के ठगने पर सुख मिलता है। परंतु दूसरे के धोखा देने पर दुख मिलता है।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

अमृत — सुधा, पीयूष, सोम

पत्थर — पाषाण, प्रस्तर, पाहन

सोना — स्वर्ण, कनक, कंचन

संसार — जगत, दुनिया, विश्व

हाथ — कर, हस्त, पाणि

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

सज्जन — दुर्जन

जन्म — मरण

अमृत — विष

सस्ता — मँहगा

सुख — दुख

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(क) अंतर — दोनों में बहुत अंतर मालूम होता है।

(ख) दुर्लभ — आजकल सज्जन पुरुष मिलना दुर्लभ है।

(ग) साधुजन — कुंभ के मेले में देश के कोने-कोने से साधुजन आए।

(घ) पत्ता — पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं।

(ङ) कुम्हार — कुम्हार सुंदर घड़े बनाता है।

(च) गुरु — गुरु भगवान के समान होता है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

18. बूढ़ा कुत्ता

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) **2.** (घ) **3.** (घ) **4.** (घ) **5.** (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. बुढ़ापे में कुत्ते की दशा कैसी हो गई थी ?

उत्तर—कुत्ते के शरीर में खौरा लग गया। उसने स्वयं पंजों से खरौंद कर शरीर पर घाव कर लिए थे।

प्रश्न 2. बूढ़े कुत्ते के साथ घर के लोग कैसा व्यवहार करते हैं ?

उत्तर—बूढ़े कुत्ते को घर के लोग दुत्कारते-फटकारते हैं।

प्रश्न 3. कुत्ते ने लेखक के यहाँ आकर आत्मीयता कैसे पैदा कर ली थी ?

उत्तर—कुत्ता घायल अवस्था में लेखक के पास आया था परंतु कुछ ही दिनों में उसने अपनी वफादारी से लेखक का प्यार और स्नेह पा लिया।

प्रश्न 4. 'बूढ़ा कुत्ता' कहानी के लेखक के घर में एक दिन चोरी कैसे हो गई ?

उत्तर—यद्‌यपि कुत्ता घर की चौकसी के लिए रखा गया था पर एक दिन शादी के अवसर पर घर में चोरी हो गई। घर की स्त्रियाँ गहरी नींद में थी। वे कुत्ते के भौंकने की आवाज सुन नहीं पाई।

प्रश्न 5. 'बूढ़ा कुत्ता' कहानी में थोड़े ही दिनों में कुत्ता क्या बात जान गया था ?

उत्तर—कुत्ता थोड़े ही दिनों में यह बात जान गया कि घर में लेखक की पत्नी रानी का हुक्म चलता है।

प्रश्न 6. सही उत्तर पर ठीक (✔) का चिह्न लगाइए :

(क) इस पाठ को लिखने का मुख्य कारण क्या है ?

उत्तर—पशुओं के प्रति दया भाव व्यक्त करना।

(ख) लेखक किस कारण उद्‌विग्न हो गया ?

उत्तर—संसार की हालत देखकर।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'बूढ़ा कुत्ता' कहानी में जहाँगीर, नूरजहाँ और अभिमन्यु का जिन प्रसंगों में उल्लेख हुआ है, उनकी सार्थकता बताइए।

उत्तर—जहाँगीर के दरबार में नूरजहाँ का ही शासन चलता था। इसी प्रकार लेखक के घर में उसकी पत्नी का शासन चलता था। जिस प्रकार अभिमन्यु अनेक व्यूह चक्करों को तोड़ता हुआ आगे बढ़ा था, उसी प्रकार कुत्ता भी रास्ते में मिलने वाले कुत्तों से लड़ते-झगड़ते अपने घर पहुँच गया।

प्रश्न 2. 'बूढ़ा कुत्ता' कहानी के लेखक के मित्रों ने उसे कुत्ते के बारे में क्या-क्या सलाह दीं ?

उत्तर—एक मित्र ने कहा, 'कुचिला खिला दीजिए, मर जाएगा'। दूसरे मित्र ने बंदूक की गोली से उड़ा देने की बात कही।

प्रश्न 3. क्या बूढ़े कुत्ते के साथ वैसा व्यवहार करना उचित रहेगा, जो लेखक के मित्र बता रहे थे ?—तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर—नहीं, बूढ़े कुत्ते के साथ वैसा व्यवहार उचित प्रतीत नहीं होता जैसा लेखक के मित्र बता रहे थे। बुढ़ापा सभी को आता है और इस उम्र में व्यक्ति या जानवर को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। लेखक के मित्रों को कुत्ते की वफादारी की कद्र करनी चाहिए।

प्रश्न 4. 'यह कमबख्त बुढ़ापा क्या चीज़ है ?'—इस पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—बुढ़ापे में व्यक्ति का शरीर दुर्बल और शक्ति हीन हो जाता है। उसे हर तरफ से दुत्कार और फटकार ही मिलती है। इसीलिए लेखक बुढ़ापे से डरता है और उसे बुरा मानता है।

प्रश्न 5. 'बूढ़ा कुत्ता' पाठ से कुत्ते के संबंध में क्या-क्या बातें ज्ञात होती हैं ?

उत्तर—कुत्ता हमेशा अपने मालिक के प्रति वफादार होता है। वह बूढ़ा होकर भी मालिक की बातें उसी प्रकार मानता है जिस प्रकार वह जवानी में मानता था। इस कहानी में कुत्ते की स्वामिभक्ति, कर्तव्यपरायणता, सहनशीलता और अदम्य साहस स्पष्ट रूप से झलकता है।

भाषा-बोधन

1. (क) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. नीचे लिखे वाक्यों में से विशेषण-विशेष्य छाँटिए :

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
कर्तव्यपरायण	जीव	सजल	नेत्र
कमबख़्त	बुढ़ापा	असह्य	चोट
प्रगल्भ	युवक	बंदूकधारी	मित्र
ताज़ा	खून	मोटा-ताज़ा	पिल्ला
संकोचशील	किशोर	चमकती	आँखें

3. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

बूढ़ा — बुढ़ापा		**जवान** — जवानी	
फटकारना — फटकार		**बच्चा** — बचपन	

4. देशज शब्द

कुचिला

खाट

दुपहरिया

मैके

5. निम्नलिखित वाक्य पढ़िए और उदाहरण के अनुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए:

(क) कुत्ते ने चौकीदारी की। फिर भी चोरी हो गई।

$\Rightarrow$ कुत्ते के चौकीदारी करने पर भी चोरी हो गई।

(ख) कुत्ता रानी के साथ गया। उसके पलंग के नीचे सोता था।

$\Rightarrow$ कुत्ता रानी के साथ जाने पर उसके पलंग के नीचे सो गया।

(ग) कार खुली। कुत्ता नीचे कूद गया।

$\Rightarrow$ कार खुलने पर कुत्ता नीचे कूद गया।

6. नीचे लिखे मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(क) टुकुर-टुकुर देखना = एकटक देखना

घायल कुत्ता अपने मालिक को टुकुर-टुकुर देख रहा था।

(ख) दुत्कार देना = डाँट देना

मालिक ने नौकर को चोरी करने के कारण दुत्कार कर घर से निकाल दिया।

(ग) घोड़े बेचकर सोना = निश्चिंत होकर सोना

परीक्षा समाप्त होने पर विभा घोड़े बेचकर सो रही है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

19. पर्यावरण प्रदूषण

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (घ) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (ख) **5.** (क) **6.** (घ) **7.** (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पर्यावरण प्रदूषण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर—पर्यावरण से हम अपने चारों ओर के वातावरण को समझते हैं।

प्रश्न 2. प्रदूषण का खतरा निरंतर क्यों बढ़ता चला जा रहा है ?

उत्तर—मनुष्य द्वारा प्रकृति का आवश्यकता से अधिक शोषण के कारण प्रदूषण का खतरा निरंतर बढ़ रहा है।

प्रश्न 3. मौसम का चक्र कैसे गड़बड़ाता चला जा रहा है ?

उत्तर—ऋतुएँ समय पर नहीं आती, वर्षा समय पर नहीं होती। सरदी-गरमी का समय भी अब निश्चित नहीं है।

प्रश्न 4. 'चिपको आंदोलन' क्या है ?

उत्तर—'चिपको आंदोलन' में इस आंदोलन के कार्यकर्ता वृक्षों से चिपक जाते हैं और ठेकेदार को पेड़ नहीं काटने देते।

प्रश्न 5. शुद्ध वायु में कौन-सी गैसें कितनी-कितनी मात्रा में होती हैं ?

उत्तर—शुद्ध वायु में 78.09 प्रतिशत नाइट्रोजन, 20.95 प्रतिशत ऑक्सीजन, 0.03 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड तथा 0.93 प्रतिशत अन्य गैसें होती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रश्न (क) वायु-शुद्धि की प्रक्रिया वनस्पतियों पर किस प्रकार अवलंबित है ?

उत्तर—वायु शुद्धि की प्रक्रिया वनस्पतियों पर अवलंबित है। यह प्रक्रिया स्वयं होती रहती है। प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया द्वारा कार्बन-डाइऑक्साइड ऑक्सीजन में परिवर्तित होती रहती है।

प्रश्न (ख) वायु प्रदूषण किन-किन कारणों से हो रहा है ? इससे कौन-कौन से रोग बढ़ रहे हैं ?

उत्तर—वायु प्रदूषण के कारण—

1. वृक्षों को काटना।

2. कल-कारखानों द्वारा धुआँ उगलना।

3. वाहनों से धुआँ निकलना।

वायु प्रदूषण से होने वाले रोग— साँस के रोगों में वृद्धि होना—कैंसर, हृदयरोग, रक्तचाप, दमा का रोग होना।

प्रश्न (ग) पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में हम किस प्रकार सहयोग दे सकते हैं?

उत्तर—हम पर्यावरण प्रदूषण रोकने में इस प्रकार सहयोग प्रदान कर सकते हैं—

- अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर।
- कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फैलाकर।
- धुएँ वाले वाहन न चलाकर।

प्रश्न (घ) 'प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने में मनुष्य का हाथ है'—कैसे?

उत्तर—प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने में मनुष्य का काफी हाथ है। मनुष्य वृक्षों को अंधाधुंध काट रहा है। वह कारखानों, चिमनियों द्वारा और इधर-उधर कूड़ा-कचरा फेंक कर वायु को दूषित कर रहा है। मनुष्य ध्वनि प्रदूषण फैला रहा है।

प्रश्न (ङ) अंधाधुंध बढ़ती जनसंख्या क्या-क्या समस्याएँ उत्पन्न कर रही है?

उत्तर—बढ़ती जनसंख्या से खाद्य पदार्थों की कमी आ गई है। रहने के लिए आवास की विकट समस्या उत्पन्न हो गई है। महँगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है।

प्रश्न (च) जल प्रदूषण का मुख्य कारण क्या है? इसे कैसे दूर किया जा सकता है?

उत्तर—जल प्रदूषित तब होता है जब नदियों में कारखानों से निकले कचरे को बहा दिया जाता है। शहरों में नदियों में गंदे नाले भी गिरते हैं।

प्रश्न (छ) ध्वनि प्रदूषण किन कारणों से होता है? इससे हमारे शरीर पर क्या दुष्प्रभाव पड़ता है?

उत्तर—ध्वनि प्रदूषण वाहनों के हॉर्न, लाउड स्पीकरों तथा रेडियो, टी०वी० को ऊँची आवाज में चलाने के कारण होता है। इससे हमारी श्रवण शक्ति कम हो जाती है तथा हृदय गति भी बढ़ जाती है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) पर्यावरण-प्रदूषण की समस्या केवल भारत की नहीं, अपितु **विश्वभर** की है।

(ख) इस खतरे के प्रति जनता में **जागरुकता** बढ़ी है।

(ग) वायु-प्रदूषण के कारण हमें **ऑक्सीजन** पूरी मात्रा में नहीं मिल पाती।

(घ) हमें अधिक से अधिक मात्रा में **वृक्ष** लगाने चाहिएँ।

(ङ) प्रदूषण के बढ़ते खतरे पर प्रभावी ढंग से **नियंत्रण** पाना आवश्यक हो गया है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *पृथ्वी पर जीवन प्रकृति-संतुलन द्वारा ही संभव है।*

आशय—धरती पर जीवन तभी तक संभव है जब तक प्रकृति में संतुलन बना हुआ है।

(ख) *हम यह संकल्प लें कि जब भी कोई शुभ अवसर हो तब वृक्ष अवश्य लगाएँगे।*

आशय—हमें यह प्रण करना चाहिए कि जब भी अच्छा अवसर मिले हम वृक्ष लगाएँगे। वृक्ष ही प्रकृति में संतुलन बनाए रखते हैं।

(ग) *हमारा देश विकासशील है और औद्योगीकरण की दिशा में तेज़ी से बढ़ रहा है।*

आशय—हमारे देश का विकास कार्य अभी चल रहा है। यह विकासशील देशों में गिना जाता है। विकसित देशों की तरह हमारा देश तेज़ी से औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहा है अर्थात् भारत में उद्योग धंधों का तेज़ी से विकास हो रहा है।

4. सोचिए और बताइए :

प्रश्न (क) क्या प्रदूषण बढ़ाने में हमारा कोई हाथ है ? यदि 'हाँ' तो कैसे ?

उत्तर—हाँ, हम नदियों में कूड़ा फेंकते हैं। कारखानों से, चिमनियों से, वाहनों के धुएँ से हम प्रदूषण फैला रहे हैं। लाउड स्पीकरों, रेडियो, टी०वी० आदि की तेज आवाज से हम ध्वनि प्रदूषण फैला रहे हैं।

प्रश्न (ख) क्या हम इसे कम करने में सहयोग दे सकते हैं ? यदि 'हाँ' तो किस रूप में ?

उत्तर—हाँ, इधर-उधर कूड़ा-कचरा न फेंक कर, अधिक मात्रा में वृक्ष लगाकर, वाद्य यंत्रों को धीमी आवाज में बजाकर हम प्रदूषण कम करने में सहयोग दे सकते हैं।

प्रश्न (ग) प्रदूषण विश्वव्यापी समस्या क्यों बन गई है ? विकसित देशों के पास तो पर्याप्त सुविधाएँ हैं, फिर वहाँ यह समस्या क्यों है ?

उत्तर—सारा संसार प्रदूषण की समस्या झेल रहा है। औद्योगिकरण ने इस समस्या को और अधिक बढ़ा दिया है। विकसित देश और अधिक विकास करना चाहते हैं इसीलिए वे प्रकृति का अधिक शोषण कर रहे हैं। विकासशील देशों की तुलना में विकसित देशों में प्रदूषण की समस्या अधिक भयंकर है।

भाषा–बोधन

1. (क) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. 'ऑ' स्वर युक्त शब्द

कॉलेज, हॉकी, हॉस्टल, कॉफी, कॉपी, स्टॉल, फुटबॉल, ऑपरेशन, चॉकलेट, रॉकेट।

3. शब्द–युग्म

टूटी–फूटी, रात–भर, दही–भात, आस–पास, मोटा–ताज़ा, हरे–भरे, माँ–बाप, गूँगा–बहरा, दीन–दुखियों, आर–पार

4. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार बदलिए :

(क) दवा का प्रयोग करके रोगों से बचा जा सकता है।

⇒ दवा के प्रयोग से रोगों से बचा जाता है।

(ख) मच्छरदानी का प्रयोग करके मलेरिया से बचा जाता है।

⇒ मच्छरदानी के प्रयोग से मलेरिया से बचा जाता है।

5. नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्द का लिंग बताइए :

		लिंग
(क)	नदियों में पानी बह रहा है।	पुल्लिंग
(ख)	नालियाँ बन रही हैं।	स्त्रीलिंग
(ग)	वृक्ष काटे जा रहे हैं।	पुल्लिंग
(घ)	अब समस्या उत्पन्न हो गई है।	स्त्रीलिंग

ज्ञान–विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

• • • • •

टिप्पणी (Note)

टिप्पणी (Note)